TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | पृष्ठ- 10 | वर्ष-01 अंक-35 | मूल्य ₹7 | सोमवार | दिनांक- 03.08.2026

जंगल में चल रही थी 'मिनी गन फैक्ट्री'... (पेज-3)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026

भारत अब तक 39 पदक जीतकर तालिका में चौथा स्थान पर पहुंचा

एजेंसी, ग्लास्गो।

ग्लास्गो में खेले जा रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने इतिहास रचते हुए पदक तालिका में चौथे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। 10वें दिन मुक्केबाजी, जूडो, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने 16 मेडल जीते।

अब भारत के खाते में अब 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य सहित कुल 39 पदक हो गए हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद चौथा स्थान हासिल किया है।

खास बात यह है कि इस बार भारत ने कुश्ती, बैडमिंटन और हॉकी जैसे अपने मजबूत खेलों के बिना भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मुक्केबाजी में रिकॉर्ड सात स्वर्ण, जूडो में पहली बार दो स्वर्ण और एथलेटिक्स में कई ऐतिहासिक उपलब्धियों ने भारत के अभियान को यादगार बना दिया।

सावन का पहला सोमवार : शिवालयों पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम

डीएम ने प्राचीन कैलाश, बल्केश्वर और राजेश्वर महादेव मंदिरों में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- यमुना घाटों पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी और गोताखोरों की तैनाती के दिए सख्त निर्देश
- सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए रूट डायवर्जन व मेडिकल कैंप की होगी व्यवस्था

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए आगरा जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। सावन के प्रथम सोमवार की तैयारियों का जमीनी जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान के साथ शहर के प्रमुख शिव मंदिरों और यमुना घाटों का सघन निरीक्षण किया। आला अधिकारियों ने कैलाश महादेव, बल्केश्वर महादेव और राजेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा, साफ-सफाई और यातायात व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की।

कैलाश और बल्केश्वर मंदिर में परखीं तैयारियां

जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम कैलाश मंदिर पहुंचकर मंदिर परिसर और यमुना घाट का मुआयना किया। महंतों से वार्ता कर जिलाधिकारी ने नगर निगम के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रैंप, मेडिकल कैंप, फव्वारे और नियमित साफ- सफाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए। कूड़ा निस्तारण के लिए डस्टबिन रखवाने और सौंदर्यीकरण के कार्य समयबद्ध रूप से पूरे करने को कहा गया। इसके पश्चात उन्होंने बल्केश्वर मंदिर और यमुना पर बने पार्वती घाट का निरीक्षण किया। डीएम ने मार्गों के गड्ढे भरने और राजेश्वर मंदिर में भी आवश्यक बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए।

सुरक्षा और सुचारू यातायात के पुख्ता इंतजाम

एडीएम सिटी ने सभी मंदिरों में पुलिस गारद तैनात करने, कांवड़ियों के प्रवेश व निकास के लिए अलग बैरिकेडिंग और सुचारू यातायात के लिए रूट डायवर्जन लागू करने के निर्देश दिए हैं। कांवड़ियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए यातायात और सिविल पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। स्वास्थ्य और पीडब्ल्यूडी विभाग को भी अलर्ट पर रखा गया है। निरीक्षण के दौरान उपजिला मजिस्ट्रेट (सदर) विक्रम राघव, एसीपी अमीषा वर्मा और श्वेता वर्मा सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

घाटों पर गोताखोर और पीएसी जल पुलिस रहेगी तैनात

कांवड़ यात्रा के दौरान यमुना के कैलाश घाट और पार्वती घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत बैरिकेडिंग कराने के साथ- साथ पीएसी जल पुलिस और प्राइवेट गोताखोरों की तैनाती की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सीसीटीवी कैमरों से चप्पे-चप्पे की निगरानी की जाएगी और अतिरिक्त पुलिस बल मुस्तैद रहेगा।

छह नावों से बचाईं 1000 से ज्यादा जिंदगियां: दिन-रात चला राहत अभियान

गुवाहाटी। असम में आई भीषण बाढ़ के दौरान शिवसागर जिले के कुछ ग्रामीणों ने अपनी जान जोखिम में डालकर इंसानियत की मिसाल पेश की। सिर्फ छह देसी नावों की मदद से इन ग्रामीणों ने पांच गांवों के 1,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया। बचाव अभियान में शामिल लोगों का कहना है कि उस समय उनके लिए अपनी जान से ज्यादा दूसरों की जान बचाना जरूरी था।

कुछ ही घंटों में बाढ़ ने मचाई तबाही

19 जुलाई की सुबह शिवसागर जिले के नेपाली खूटी इलाके में अचानक पानी तेजी से बढ़ने लगा। देखते ही देखते बाढ़ का पानी घरों में घुस गया। कई लोगों को अपनी जान बचाने के लिए घरों की छतों, मचान और पेड़ों पर शरण लेनी पड़ी। शिवसागर इस साल असम के सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल रहा, जहां बड़ी संख्या में घर और दुकानें बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गईं।

बचाव अभियान में शामिल चौहान चौधरी ने बताया कि पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने कहा कि उनके पास कुल छह देसी नावें थीं। इन्हीं नावों से उन्होंने उन लोगों को निकाला जिनके घर बह गए थे या जो बाढ़ में फंस गए थे। इन नावों के जरिए पांच गांवों के एक हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया।

80 लाख की चोरी का 24 घंटे में खुलासा

घरेलू सहायिका समेत चार महिलाएं गिरफ्तार, जेवर बरामद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना हरिपर्वत पुलिस ने विजयनगर कॉलोनी स्थित अनुपम रॉयल अपार्टमेंट में हुई लगभग 80 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषणों की बड़ी चोरी की घटना का महज 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण किया है। पुलिस ने इस वारदात में शामिल घरेलू सहायिका समेत उसके परिवार की चार महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से शत-प्रतिशत चोरी गया माल बरामद कर लिया है।

विजयनगर कॉलोनी के अनुपम रॉयल अपार्टमेंट निवासी अनिल कुमार कौशिक के घर हुई इस सनसनीखेज चोरी के बाद पुलिस कमिश्नरेट आगरा के निर्देशानुसार थाना हरिपर्वत पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया था। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज के गहन विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर घर में काम करने वाली महिला से कड़ाई से पूछताछ की, जिसके बाद पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश हुआ।

जांच में सामने आया कि घरेलू सहायिका ने अपनी मां, बहन और भाभी के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से इस चोरी को अंजाम दिया था। आरोपियों को घर की अंदरूनी गतिविधियों और कीमती सामान के बारे में पूरी जानकारी थी, जिसका उन्होंने फायदा उठाया।

घटना का अनावरण करते पुलिसकर्मी।

आरोपियों से बरामद किये गये आभूषण।

अभियुक्त चांदनी, पूजा, संजना और इमला से लगभग 80 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 17 सोने के सिक्के बरामद हुए। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में पॉक्सो अधिनियम, धमकी देने व अन्य गंभीर धाराओं के मुकदमे दर्ज हैं।

एसीपी हरिपर्वत ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा त्वरित और सराहनीय कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

अंबेडकर विवि का दीक्षांत समारोह आज

79,832 छात्रों को उपाधि, पदकों पर बेटियों का रहेगा दबदबा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वां दीक्षांत समारोह 3 अगस्त को शिवाजी मण्डपम, खंदारी परिसर में आयोजित होगा। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में 79,832 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। 64 मेधावी विद्यार्थियों को 88 पदकों से सम्मानित किया जाएगा, जिनमें छात्राओं का दबदबा रहेगा। समारोह में ल्ढश टीकाकरण अभियान, पोषण बास्केट वितरण, कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, मानद उपाधि, खिलाड़ियों व शिक्षकों का सम्मान और डिजिटल डिग्री का लाइव प्रदर्शन भी प्रमुख आकर्षण होंगे।

...मैंने क्या अपराध किया?

कथित हमले के बाद पप्पू यादव ने जताई हत्या की आशंका

एजेंसी, नई दिल्ली।

पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के दिल्ली स्थित आवास पर रविवार को कथित चाकू से हमले की घटना सामने आई। यह घटना राम मंदिर स्किट विवाद के बीच हुई, जिसके बाद पप्पू यादव के वकील ने दिल्ली पुलिस पर सत्तारूढ़ दल के साथ 'मिलीभगत' का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पहले से शिकायतें देने के बावजूद सांसद को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। यह घटना उस समय हुई जब पप्पू यादव अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों और उनके समर्थकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि यह उन्हें मारने की सुनियोजित साजिश थी।

क्या दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा देने में लापरवाही बरती?

कथित सुरक्षा चूक पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव के वकील ने आरोप लगाया कि लगातार मिल रही धमकियों की जानकारी देने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने एएनआई से कहा, 'यह दिल्ली पुलिस की विफलता को उजागर करता है। इससे साफ पता चलता है कि दिल्ली पुलिस सत्तारूढ़ दल के साथ मिलीभगत कर एक छह बार के निर्वाचित सांसद के खिलाफ रची जा रही साजिश को बढ़ावा दे रही है। सोशल मीडिया पर खुलेआम ऐसे पोस्ट किए जा रहे हैं, जिनमें उनका सिर काटने वाले को 51 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है।'

'दिल्ली पुलिस नहीं कर रही सुरक्षा'

वकील ने आरोप लगाया कि सुरक्षा के पर्याप्त आश्वासन के बावजूद पुलिस ने बेहद कम संख्या में जवान तैनात किए। बार-बार शिकायत करने और दिल्ली पुलिस से पूरी सुरक्षा का आश्वासन मिलने के बावजूद वहां केवल तीन-चार पुलिसकर्मी तैनात किए गए। उनमें भी सिर्फ एक इंस्पेक्टर मौजूद था। मीडिया की मौजूदगी के बीच लोगों ने चाकू लहराया और इस तरह की हरकतें कीं। यह बेहद निंदनीय और अमानवीय है।

घटनास्थल पर मौजूद मीडिया संयोजक का दावा किया

घटना के दौरान मौजूद पप्पू यादव के मीडिया संयोजक ने दावा किया कि हमलावरों को रोकने के दौरान उन्हें बुरी तरह पीटा गया और वे बेहोश हो गए। उन्होंने एएनआई से कहा, 'हमलावरों ने पहले चप्पल फेंकी। इसके बाद जब चाकू निकालकर हमला करने की कोशिश की गई तो हमारे समर्थकों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। मैं पप्पू यादव और हमलावर के बीच आकर खड़ा हो गया, जिसके कारण मुझे बुरी तरह पीटा गया। दिल्ली पुलिस तमाशबीन बनी रही। मैंने पप्पू यादव को वहां से निकालने की कोशिश की, लेकिन पुलिस गुंडों को बचाती हुई दिखाई दी। दो-तीन लोगों ने मुझे इतना पीटा कि मैं बेहोश हो गया।'

नीरू बंसल बनी राज्य समुचित प्राधिकारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश शासन ने न्यू आगरा की नीरू बंसल को संपूर्ण उत्तर प्रदेश के लिए राज्य समुचित प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किया है। परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत राज्य समुचित प्राधिकरण के तहत गठित प्रमुख निकाय है। जो गभार्धान पूर्व व प्रसव-पूर्व लिंग जांच व कन्या भ्रूण हत्या जैसी अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य स्तर पर कार्य करता है। जिला स्तर के समुचित प्राधिकारियों के कार्यों की न केवल निगरानी रखता है। अपितु नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सीधी कार्यवाही का अधिकार रखता है। नियुक्ति पर नीरू बंसल ने राज्यपाल, उत्तर प्रदेश शासन, मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री/परिवार कल्याण-स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जैसा कि प्रधानमंत्री जी का स्वप्न है "बेटी बचाओ", उसको इस दायित्व से शुद्धता से प्रभावी बनाने में हर संभव कार्य करूँगी। किसी भी नागरिक को बिटिया को उच्च शिक्षा देकर स्वावलंबी बनाना चाहिए। इस कार्य में सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर स्कूल-कॉलेज एवं समाज में संगोष्ठियों का आयोजन करना चाहिए। इस कार्य को सफल बनाने में चिकित्सकों की विशेष महत्ता है। विशेष भेंट में राज्य के अपर मुख्य सचिव अमित घोष द्वारा समयबद्ध मार्गदर्शन का आश्वासन दिया है। नियुक्ति पर महापौर हेमलता दिवाकर, महापौर बरेली उमेश गौतम, केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, विधायक पुरूषोत्तम खण्डेलवाल, पूर्व मंत्री उदयभान सिंह, पूर्व मंत्री डा० राम बाबू हरित, श्याम भदौरिया आदि ने शुभकामनाएं दी हैं। रेडियोलॉजिस्ट एसोसिएशन के डा. सुभाष बालियान, तनुज गर्ग व आगरा से डा० संजना अरोरा ने बधाई दी।

नीट पीड़ित के परिजनों से मिले राहुल, पूछा- ईमानदार बच्चों ने किस बात की सजा भुगती?

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को तमिलनाडु में नीट पेपर लीक की वजह से जान देने वाले छात्रों के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों को 'माफ करने' की बात करते हैं, जबकि सच यह है कि छात्रों को किसी माफी की जरूरत नहीं है। सरकार पर छात्रों को सच बताने, उन्हें न्याय दिलाने और उनसे माफी मांगने का नैतिक दायित्व है।

क्या बोले राहुल गांधी, परिवारों से मुलाकात के बाद?

राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु यात्रा के दौरान उन्होंने गोपिका, रोशिनी और वेत्री आनंदन के परिवारों से मुलाकात की। ये तीनों छात्र-छात्राएं नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के बाद गहरे मानसिक तनाव में आ गए थे और उन्होंने अपनी जान दे दी। राहुल ने कहा कि हर परिवार के मन में एक ही सवाल है- जब बच्चे ईमानदारी से मेहनत कर रहे थे, तो उन्हें एक बेईमान व्यवस्था की कीमत क्यों चुकानी पड़ी?

हाईकोर्ट के आदेशों का पहले से हो रहा कड़ाई से अनुपालन, भीड़ प्रबंधन पर जिला प्रशासन गंभीर

बांके बिहारी मंदिर में लागू हुई आधुनिक तकनीक, कैमरों की लाइव स्ट्रीमिंग से श्रद्धालुओं को घर बैठे हो रहे दर्शन

- रंगोत्सव से गोवर्धन पूजा तक, कुशल रणनीति और ड्रोन निगरानी से सुरक्षित क्राउड मैनेजमेंट की मिसाल
- ब्रज में उमड़ा करोड़ों का सैलाब, मुड़िया पूर्णिमा में 1.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने की सुरक्षित परिक्रमा

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

तीर्थ स्थलों और धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए हालिया सुझावों और आदेशों पर जिला प्रशासन, क्राउड मैनेजमेंट (भीड़ प्रबंधन) जैसे संवेदनशील विषय पर पहले से ही बेहद गंभीर है। माननीय हाईकोर्ट के दिशा-निर्देशों का जिले में पूर्व से ही शत-प्रतिशत अनुपालन किया जा रहा है। प्रशासन इस तथ्य को भली- भांति समझता है कि धार्मिक और राजनीतिक भीड़ का मनोविज्ञान बिल्कुल अलग होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन के लिए कई ऐतिहासिक और ठोस कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं।

आधुनिक तकनीक का शानदार उपयोग

भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन आधुनिक तकनीक का बेहतरीन इस्तेमाल कर रहा है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण विश्व प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर है। जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर और इसके आसपास हाईटेक कैमरों का जाल बिछाया है, जिसके माध्यम से ठाकुर जी के दर्शन की लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही है। प्रशासन की इस अभिनव पहल से देश- दुनिया में बैठे लाखों श्रद्धालुओं को घर बैठे ही अपने आराध्य के सजीव दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। इससे न केवल मंदिर और संकरी गलियों में अनावश्यक भीड़ का दबाव कम हुआ है, बल्कि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को भी भारी सहूलियत मिली है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन की दूरगामी सोच को दर्शाती है।

कुशल रणनीति से सुरक्षित क्राउड मैनेजमेंट

प्रशासन की मुस्तैदी और गंभीरता का ही नतीजा है कि बीते कुछ सालों में ब्रज के कई विशाल धार्मिक आयोजनों का प्रबंधन बेहद सुरक्षित और सफल रहा है। रंगोत्सव (होली), मुड़िया पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा), श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, राधा अष्टमी और गोवर्धन पूजा जैसे बड़े पर्वों पर प्रशासन ने अपनी अचूक रणनीति का परिचय दिया है। सुनियोजित ट्रैफिक डायवर्जन, मजबूत बैरिकेडिंग, होल्डिंग एरिया और ड्रोन कैमरों से निरंतर निगरानी के जरिए भीड़ को शानदार तरीके से नियंत्रित किया गया। इन भारी चुनौतियों के बीच बिना किसी बड़ी घटना के आयोजनों का सफलतापूर्वक संपन्न होना प्रशासन की दिन-रात की मेहनत को प्रमाणित करता है।

आंकड़ों की गवाही और भविष्य की रूपरेखा

पर्यटन विभाग और प्रशासनिक आंकड़ों पर गौर करें तो बीते एक- दो वर्षों में ब्रज में आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक मथुरा में प्रतिवर्ष 6 से 7 करोड़ पर्यटक और श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। केवल पांच दिवसीय मुड़िया पूर्णिमा (गोवर्धन परिक्रमा) मेले में ही 1.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने बिल्कुल सुरक्षित माहौल में परिक्रमा की। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और बरसाना की होली में भी देश- विदेश से लाखों की भीड़ एक साथ उमड़ती है। इतनी भारी फ्लोटिंग पॉपुलेशन के बावजूद प्रशासन ने अपनी मौजूदा क्षमताओं के आधार पर जन-सुविधाओं को सुचारू रखा है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इस सफलता के बावजूद प्रशासन रुकने वाला नहीं है। भविष्य के आयोजनों को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए आईआईटी जैसे तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं की मानसिकता और उनके आवागमन के पैटर्न का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन का सहारा लिया जाएगा। मास्टर प्लान में भी दीर्घकालिक बदलाव किए जा रहे हैं ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की चुनौती या त्रासदी को पूरी तरह से टाला जा सके और ब्रज आने वाले हर श्रद्धालु को एक सुरक्षित और सुखद अनुभव मिल सके।

लेखपाल संघ करेगा आंदोलन

ज्ञापन सौंपकर लंबित मांगों को लेकर 5 अगस्त से हड़ताल की चेतावनी

टीएनएफ टुडे, बाह।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ बाह ने अपनी वर्षों से लंबित मांगों के समाधान न होने पर राजस्व परिषद के अध्यक्ष को संबोधित ज्ञापन रविवार को नायब तहसीलदार सुधीर गिरी को सौंप कर 5 अगस्त से चरणबद्ध हड़ताल की चेतावनी दी है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि राजस्व अभिलेखों के अद्यतन, नामांतरण, पैमाइश, किसान हितैषी योजनाओं, ई-गवर्नेंस और अन्य सरकारी योजनाओं का दायित्व लेखपालों पर है। संघ की प्रमुख मांगों में अंतरमंडलीय स्थानांतरण पोर्टल को दोबारा खोलना, चयन वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची तत्काल जारी करना, वर्ष 2024 के विभागीय परीक्षा परिणाम एवं प्रशिक्षण प्रमाणपत्र घोषित करना, क्षेत्रीय भत्तों में वृद्धि तथा भूलेख और अन्य सहायक पटलों से संबद्ध लेखपालों को मुक्त करना शामिल है। इसके अलावा ग्राम सचिवालयों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने और पंचायत सचिवालय रोस्टर व्यवस्था समाप्त करने की भी मांग उठाई गई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 अगस्त तक मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो लेखपाल अपने मूल हल्के पर ही कार्य करेंगे तथा अतिरिक्त हल्कों का कार्य पूरी तरह बंद कर देंगे। साथ ही, भविष्य में ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार का भी निर्णय लिया जा सकता है। ज्ञापन में कहा गया है कि लेखपाल लगातार बढ़ते कार्यभार, संसाधनों की कमी, लंबित पदोन्नति, वेतन विसंगति और अवकाश के दिनों में भी ड्यूटी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी वर्षों पुरानी मांगों का समाधान नहीं किया गया है। इस दौरान अमित कुमार, रामनिवास, संदीप कुमार, अमित कटारा, प्रियांशू आर्य, मंजीत सिंह, आलोक चक आदि रहे।

एसडीएम ने दोनों पक्ष बुलाए

समाधान दिवस में पेट्रोल लेकर आत्मदाह करने पहुंचा था फरियादी

टीएनएफ टुडे, बाह।

सुनवाई नहीं होने पर बाह के संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को पारना गांव के रहने वाला फरियादी शिशुपाल सिंह पेट्रोल लेकर आत्मदाह के लिए अपनी मां के साथ पहुंचा था। हाई वोल्टेज ड्रामे के बीच उसने पेट्रोल छिड़क कर आत्मदाह की धमकी देकर सनसनी फैला दी थी। हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद बाह के एसडीएम विनोद कुमार पुलिस और राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थलीय निरीक्षण किया, भू अभिलेखों की पड़ताल की। हंगामा करने वाले शिशुपाल सिंह और उसकी मां के नाम खतौनी में जमीन नहीं मिली। एसडीएम ने बताया कि सोमवार को दोनों पक्ष तहसील बुलाए हैं। सहमति के आधार पर समाधान का प्रयास किया जाएगा। बताते हैं कि 6 जुलाई को बाह के संपूर्ण समाधान दिवस के बाद डीएम मनीष कुमार बंसल के सामने पारना गांव के शिशुपाल सिंह अपनी मां के साथ पेश हुए थे। दूसरा पक्ष भी सामने आ गया था। शिशुपाल सिंह ने डीएम से जमीन नपवाने की मांग की थी। डीएम ने स्थानीय प्रशासन को बैनामा, खतौनी की पड़ताल करने एवं स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए थे। मौके पर कचौरा के राजस्व निरीक्षक रामशरन सिंह एवं पिनाहट के डॉ. दिनेश सिंह ने 8 अप्रैल को की गई स्थलीय निरीक्षण की स्थिति से अवगत कराया। मौके पर आए मुन्नालाल पक्ष ने राजस्व टीम को खतौनी दिखाई, जिसके मुताबिक 5 मई 1989 को जगराम ने अपनी जमीन मुन्नालाल के हक में सम्पादित की थी। मुन्नालाल ने राजस्व टीम के सामने दावा किया कि जगराम के पक्ष में कोई बैनामा नहीं किया है। लेकिन तहसीलदार कोर्ट के आदेश पर जगराम के वारिसान धारा सिंह, शिशुपाल सिंह के नाम अंकित हो गये।

जिसके विरोध में मुन्नालाल ने मंडलायुक्त के समक्ष निगरानी दाखिल की। 3 सितंबर 2015 में निगरानी निरस्त हो गई। जिस पर मुन्नालाल इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे। 8 अक्टूबर 2015 को हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश पारित किया था। शिशुपाल सिंह बुलाने पर मौके पर नहीं पहुंचे थे। मौके पर एसडीएम के साथ तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ, नायब तहसीलदार दयाचंद पौरुष, सुधीर गिरी आदि रहे।

करकोली महेवा धाम पहुंची 61 व 75 लीटर की कांवड़

पिनाहट। सावन माह में भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था का अनूठा उदाहरण रविवार को देखने को मिला, जब सोरों से जल लेकर आ रहे करकोली महिया धाम के कांवड़िए 61 लीटर एवं 75 लीटर की विशाल कांवड़ लेकर पिनाहट कस्बे पहुंचे। कांवड़ यात्रा के कस्बा स्थित दाऊजी मंदिर के पास पहुंचने पर श्रद्धालुओं का फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत किया गया। कांवड़ यात्रा में शामिल करकोली गांव निवासी सचिन, कोले, आशीष, सोनू, आकाश, अर्जुन, परवीन और रोहित भगवान शिव का पवित्र जल लेकर महिया धाम की ओर रवाना हुए। श्रद्धालुओं के स्वागत के दौरान पूरे क्षेत्र में "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयघोष गूंजते रहे, जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। कांवड़ियों के स्वागत में सूरज राजावत, सूरज भदौरिया, गुलशन, विष्णु, महताब सिंह, अवनीत और सत्यवीर सहित कस्बे के अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने कांवड़ियों का माल्यार्पण कर उनके सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

पुलिस ने पकड़ी शराब की बड़ी खेप

फतेहाबाद। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के नदौता गांव के पास थाना डौकी पुलिस ने चेकिंग के दौरान डीसीएम में ले जाई जा रही अंग्रेजी अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई। अवैध शराब चंडीगढ़ से बिहार जा रही थी गाड़ी का चालक पकड़ा गया। सहायक पुलिस आयुक्त फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि बीती रात्रि को थाना डौकी क्षेत्रान्तर्गत पुलिस चौकी नदौता के पास आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चेकिंग की जा रही थी। मुखबिर की सूचना डौकी पुलिस ने डीसीएम को रुकवाया और तलाशी ली तो उसमें से अवैध अंग्रेजी ब्रांड शराब बरामद हुई। गाड़ी से 348 पेटियां कुल 7728 बोतलें बरामद हुईं। जिसकी बाजारू कीमत लगभग 20 लाख रुपए है। डीसीएम चालक मूलाराम पुत्र साजनराम, निवासी बालोतरा, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से ?1,700 नकद एवं 01 आईफोन मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में चालक ने स्वीकार किया कि वह उक्त शराब चंडीगढ़ से बिहार ले जा रहा था तथा शराब को छुपाने के लिए गाड़ी में कपड़े/फोम के कतरन भरे बैगों की आड़ ली गई थी। थाना डौकी में शराब अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पकड़े हुए आरोपी को जेल भेजा गया है।

मंडलीय कराटे प्रतियोगिता में बाह के 5 खिलाड़ी

जनपद में जीते स्वर्ण पदक, बाह में हुआ स्वागत

टीएनएफ टुडे, बाह।

जनपदीय माध्यमिक कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले बाह के वीरेन्द्र सिंह, अनेक, सास्वत, भावना, परी का चयन मंडलीय माध्यमिक कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। कोच विश्नु मिश्रा ने बताया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं नियमित अभ्यास से बाह के खिलाड़ियों ने स्वर्णिम सफलता हासिल की है। जनपदीय प्रतियोगिता में स्वर्णिम सफलता के बाद घर लौटे विजेताओं का बाह में जोरदार स्वागत हुआ। विजेताओं ने मंडलीय प्रतियोगिता में भी बाह क्षेत्र का नाम रोशन करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रतियोगिता में बाह के शरद कुमार, सुहानी तोमर, श्रेया सिंह, देवेन्द्र राठौर ने निर्णायक की भूमिका निभाई थी। बाह की प्रतिभाओं की कामयाबी पर हृदय नरायन शर्मा, कृपा नरायन शर्मा, उमेश सिसोदिया, अरुण दुबे, मुकेश शर्मा, राजीव गुप्ता, अनिल तोमर आदि ने खुशी का इजहार कर बधाई दी है।

लादूखेड़ा में 10 बिजली चोरों पर एफआईआर

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने शनिवार को हाई लॉस फीडर लादूखेड़ा से जुड़े गांवों में चेकिग अभियान चलाया। एसडीओ खेरागढ़ अरविंद कुमार के नेतृत्व में विजिलेंस टीम ने ग्राम हिरोड़ा, नगला बेरिया, लादूखेड़ा और लतीपुरा में छापेमारी कर 10 लोगों को अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा। एसडीओ अरविंद कुमार ने बताया कि गांव हिरोड़ा में बृजमोहन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, मोहन, करन और बबलू, ग्राम नगला बेरिया में निरंजन सिंह, चिरंजी लाल व जगदीश, लादूखेड़ा में वर्षा शर्मा व अरुण कुमार शुक्ला वहीं लटीपुरा में अजीत के यहां बिजली चोरी पकड़ी गई।आरोपियों के यहां आठ एसी बिजली चोरी से चलते मिले, जबकि ग्राम लटी पुरा में महेश चंद के परिसर में दो एसी स्वीकृत भार से अधिक लोड पर संचालित पाए गए। सभी आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराकर विधिक कार्रवाई की जा जाएगी। ने बताया कि लादूखेड़ा, सैंया फीडर को अत्यधिक लाइन लॉस के कारण हाई लॉस फीडर के रूप में चिन्हित किया गया है ,क्षेत्र में चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। बिजली चोरी कर एसी चलाने वाले उपभोक्ता विभाग की निगरानी में हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। चेकिंग टीम में जेई विजय कुमार, विजिलेंस सब इंस्पेक्टर विजय शर्मा, विजिलेंस जेई संगम चौरसिया, टीजी-2 राजेश कुमार, लाइनमैन पूरन और हरिश्चंद्र सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने ली नशा मुक्त भारत की शपथ

बाह। भदावर पीजी कॉलेज बाह में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत - संकल्प अभियान' की रविवार को हुई शुरूआत में छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश सुना। जिसमें उन्होंने दुश्मन अपने देश में ड्रग्स भेजकर युवाओं को निशाना बनाकर कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। विकसित भारत के लक्ष्य को तय करने के लिए युवा तन, मन से स्वस्थ रहें। इसलिए खुद नशे से बचें और देश को नशा मुक्त बनाने में जागरुकता फैलाएं। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार ने नशे के दुष्प्रभाव बताकर जागरुकता फैलाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में भूमिका निभाने की शपथ दिलाई। डॉ. दिग्विजयनाथ, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. राहुल पचौरी ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के तहत निबंध, खेलकूद, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन एवं जागरुकता रैली निकाली जाएगी। इस दौरान राममोहन, रामभारत, प्रेममोहन शर्मा, ऋतिक, आकाश, निशु, नंदिनी, जानवी आदि मौजूद रहे।

यथार्थ भदौरिया का जर्मनी की यूनिवर्सिटी में चयन

पिनाहट। कस्बा के होनहार छात्र यथार्थ सिंह भदौरिया ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के दम पर जर्मनी के विश्वप्रसिद्ध टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख में इन्फॉर्मेशन इंजीनियरिंग स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वे आगामी तीन वर्षों में इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से अपनी डिग्री पूरी करेंगे। भारत से बहुत कम छात्रों को इस स्तर के संस्थान में अध्ययन का अवसर मिल पाता है। यथार्थ की सफलता इसलिए भी प्रेरणादायक है क्योंकि उन्होंने बेहद कठिन पारिवारिक परिस्थितियों के बीच अपनी पढ़ाई जारी रखी। वर्ष 2023 में उनकी माता स्वर्गीय संजू भदौरिया का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। जबकि 2025 में उनके पिता संदीप सिंह भदौरिया का देहांत हो गया। इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहे। यथार्थ के बड़े भाई सिद्धार्थ सिंह भदौरिया ने भी जर्मनी से एमबीए की शिक्षा प्राप्त की है। वह प्रतिष्ठित टेक्निकल कंपनी में कार्यरत हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर ताऊ पी.के. सिंह, चाचा प्रदीप सिंह भदोरिया, सहदेव सिंह कुशवाह, प्रमिला सिंह कुशवाह, वैभव राज सिंह कुशवाह, देवेंद्र सिंह ने बधाई दी है।

61 लीटर गंगाजल से करेंगे शिव का अभिषेक

जयकारों और पुष्पवर्षा के साथ कांवड़ियों का हुआ भव्य स्वागत

- सोमवार को सैपऊ के प्राचीन महादेव मंदिर में होगा जलाभिषेक

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

क्षेत्र के गांव चित्रवाला में शनिवार शाम उस समय माहौल शिवमय हो गया। जब चार युवा शिवभक्त 61 लीटर गंगाजल की कांवड़ लेकर गांव पहुंचे। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, हर-हर महादेव के जयघोष और पुष्पवर्षा के बीच कांवड़ का पूजन कर युवाओं का भव्य स्वागत किया। देर रात तक भजन-कीर्तन और शिव भक्ति गीतों की गूंज से पूरा गांव भक्तिरस में सराबोर रहा।

गांव के सूरज बघेल, निरंजन बघेल, जैनू बघेल और नितिन बघेल 29 जुलाई को कासगंज के पवित्र सोरों घाट से कांवड़ यात्रा पर निकले थे। चारों शिवभक्त सावन के पहले सोमवार को राजस्थान के सैपऊ स्थित प्राचीन महादेव मंदिर में 61 लीटर गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि सावन में गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक करने का विशेष धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करने के लिए कठिन कांवड़ यात्रा कर जलाभिषेक करते हैं।

नशा मुक्ति के लिए छात्रों को किया जागरूक

फतेहाबाद। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय फतेहाबाद में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के शुभारंभ के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव प्रसारण किया गया। लाइव कार्यक्रम की शुरूआत एक लघु फिल्म और नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुतिकरण के साथ हुई। तत्पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और नशा किस तरह युवाओं के भविष्य और सपनों को चकना चूर कर रहा है और समाज तथा देश के विकास में बाधा बन रहा है। महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारीगणों और छात्र छात्राओं द्वारा माय भारत पोर्टल पर डिजिटल शपथ ग्रहण के साथ ही महाविद्यालय में नशा मुक्ति शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत संपूर्ण अगस्त माह में विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रशासनिक प्राचार्य प्रो. अरुणा त्रिपाठी, तेजेंद्र सिंह यादव, प्रो चंद्रपाल सिंह, डॉ धनवंती चंचल, डॉ वेद प्रकाश सिंह, डॉ आलोक कटारा, डॉ ब्रिजेंद्र कुमार, डॉ राजधारी यादव, डॉ आशुतोष कुमार, प्रवेंद्र सिंह, सुरभि, किरोड़ी, सुमित सहित प्राध्यापक, कर्मचारीगण, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

आई कार्ड प्राप्त कर नौनिहालों के खिले चेहरे

खेरागढ़ (आगरा)। प्राथमिक विद्यालय कछपुरा सरेंडा में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क आई-कार्ड वितरण कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सैनिक सुनील कुमार फौजी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा ज्ञान एवं विद्या की अधिष्ठात्री माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके उपरांत खेरागढ़ के प्रख्यात समाजसेवी एवं भामाशाह कपिल गोयल तथा संजय सिंघल ने सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को कॉन्वेंट विद्यालयों की तर्ज पर आकर्षक निःशुल्क आई-कार्ड वितरित किए। आई-कार्ड प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय का वातावरण उल्लास से भर गया।

अतिथियों ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षक सीमित संसाधनों एवं विषम परिस्थितियों में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग हेतु आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एआरपी सौरभ शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी दी। एआरपी अजय कुमार सिकरवार ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को बच्चों की नियमित शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मरघट और पंचायत की जमीन पर कब्जे की शिकायत

खेरागढ़। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत जाजऊ में मरघट और पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने की प्रधान ने एसडीएम से शिकायत की है। प्रधान सरनाम सिंह कुशवाह ने शिकायती पत्र में कहा है कि गांव के ही कुछ रसूखदार काश्तकारों द्वारा मरघट एवं पंचायत की जमीन को जोतकर अपने खेतों में मिला लिया गया है। मांग है कि पंचायत की सार्वजनिक उपयोग की भूमि की पैमाईश कराकर सीमांकन कराया जाए। एसडीएम ने राजस्व निरीक्षक को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

कार हादसे में घायल ठेला संचालक की मौत

फतेहाबाद। बाह रोड बाईपास पर शनिवार की रात ईको कार की टक्कर से घायल ठेला संचालक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। देवचन्द पुत्र भगवान सिंह निवासी कबीर नगर बाह रोड बाईपास शनिवार की रात नौ बजे के करीब फिरोजाबाद चौराहे से अपना ठेला लगाकर रोजाना की तरह अपने घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह अपने घर के पास पहुंचा तो पीछे से आ रही तेज रफ्तार ईको कार चालक ने देवचन्द में टक्कर मार दी। जिससे देवचन्द गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए फतेहाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर आगरा रेफर कर दिया गया। ईको चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ईको कार को कब्जे में लिया। रविवार दोपहर को देवचन्द ने आगरा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

उम्मीद की किरण सोसाइटी की बैठक हुई

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

सामाजिक एकता, सहयोग और सेवा भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उम्मीद की किरण सोसाइटी की एक बैठक रविवार को मोहल्ला मार स्थित राकेश के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में संस्था के संस्थापक राजेश कुमार ने कहा कि ₹सामाजिक एकता और सहयोग से ही हमारे उज्ज्वल भविष्य की राह खुलेगी। इसमें हम सभी का सामूहिक प्रयास बेहद जरूरी है।₹ संस्था के विस्तार अभियान के तहत पिनाहट पहुंचे राजेश कुमार ने बताया कि उम्मीद की किरण सोसाइटी सामाजिक सुरक्षा फंड की थीम पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े लोगों द्वारा दिए गए दान के माध्यम से समाज के कमजोर, जरूरतमंद एवं बेसहारा लोगों की उस समय सहायता की जाती है, जब उनके सामने सभी रास्ते बंद हो जाते हैं।

बैठक के दौरान पूरन सिंह (राशन डीलर) ने नगर पंचायत पिनाहट में संगठन को मजबूत करने के लिए नगर पंचायत प्रमुख एवं नगर पंचायत सचिव के चयन का प्रस्ताव रखा। इस पर उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से मुन्नालाल पुत्र स्वर्गीय श्रीचंद को नगर पंचायत प्रमुख तथा हरि प्रकाश उर्फ हेतराम को नगर पंचायत सचिव मनोनीत किया। बैठक में नत्थी लाल ने जानकारी दी कि आगामी 15 अगस्त को फरेरा नाका स्थित संस्था के कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा। इसी अवसर पर तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस भी मनाया जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता ओमप्रकाश नेताजी ने की, जबकि संचालन इंजीनियर राजा बाबू ने किया। इस अवसर पर संजय, मुन्नेश दंडोतिया, रामनिवास, रामनिवास दंडोतिया, उदल सिंह, नरेन्द्र सिंह, बहादुर सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

चारपाई पर सोते युवक को सांप ने डंसा

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव बाबरपुर में चारपाई पर सो रहे युवक को सांप ने डंस लिया। जानकारी पर परिजन ने आगरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार थाना फतेहाबाद क्षेत्र के ग्राम बाबरपुर निवासी बृजपाल पुत्र कृपाल सिंह अपने घर पर चारपाई पर सो रहा था। रविवार की सुबह करीब 5 बजे सांप चारपाई पर चढ़ गया और युवक को डंस लिया। जानकारी पर परिजन युवक को आगरा के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसका इलाज चल रहा है।

पिनाहट का पक्का पुल अंतिम चरण में, आज से भूमि मुआवजा वितरण शुरू होगा

पिनाहट। चंबल नदी पर पिनाहट और अम्बाह को जोड़ने वाला बहुप्रतीक्षित पक्का पुल अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। करीब 157 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस महत्वाकांक्षी पुल की मुख्य संरचना और मध्य प्रदेश की ओर एप्रोच रोड का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब उत्तर प्रदेश की ओर भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के बाद एप्रोच रोड का निर्माण शुरू किया जाएगा। आगरा प्रशासन ने परियोजना से प्रभावित किसानों को 3 अगस्त को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस कनॉट में भूमि का मुआवजा वितरित करने का निर्णय लिया है। मुआवजा मिलने के बाद निर्माण एजेंसी को भूमि का कब्जा सौंप दिया जाएगा। जिससे उत्तर प्रदेश की ओर सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो जाएगा और परियोजना के शेष कार्यों में तेजी आएगी। करीब 1500 मीटर लंबे एप्रोच रोड और 45 मीटर ऊंचे इस पक्के पुल का निर्माण इस तरह किया गया है कि बाढ़ के दौरान भी यातायात प्रभावित न हो। पुल बनने से बरसात के मौसम में वर्षों से पॉन्टून पुल पर निर्भर रहने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। दोनों प्रदेशों के व्यापार एवं कृषि परिवहन को नई गति मिलेगी। छात्रों, मरीजों और आम लोगों की आवाजाही आसान होगी। सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मुआवजा वितरण और भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तय समय पर पूरी हो जाती है, तो वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण परियोजना का सपना जल्द साकार हो जाएगा। दोनों राज्यों के बीच संपर्क पहले से अधिक मजबूत होगा।

तालाब में डूबने वाली बहनों के घर पहुंचे सांसद

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

जगनेर ब्लॉक के ग्राम वर्गमा खुर्द में वाल्मीकि समाज की दो मासूम सगी बहनों की तालाब में डूबने से हुई असामयिक मृत्यु पर पूरा क्षेत्र शोक में डूब गया है। इस हृदयविदारक घटना की सूचना मिलते ही भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद राजकुमार चाहर ने शोकाकुल परिवार के घर पहुँचकर ढांढस बंधाया। सांसद के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने पीड़ित परिवार से भेंट कर उन्हें इस कठिन समय में सांत्वना दी और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। सांसद राजकुमार चाहर ने कहा कि दो मासूम बालिकाओं का इस तरह असमय चले जाना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है।

इस भीषण हादसे से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस असीम दुख व वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जलभराव होने से सड़क बनी तालाब

पिनाहट। ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत करकोली के गव करकौली पुरा में? लापरवाही का खमियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। गांव में अखिलेश्वरी माता मंदिर के पास मुख्य मार्ग जल भराव होने हालत इतने बिगड़ गए हैं कि गांव का प्रमुख मार्ग ही तालाब में तब्दील हो गया है। सड़क पर जमा गंदा पानी लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब की समय पर सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी पूरी तरह बंद हो गई है। गंदा पानी सड़क और गलियों में भरा रहता है जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को कीचड़ और बदबू के बीच गुजरना पड़ रहा है। स्कूली बच्चों बुजुर्गों और महिलाओ को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार ग्राम प्रधान, सचिव और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रमुख सड़क पर गंदगी और जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है।

शांतिभंग में तीन का चालान

अछनेरा। थाना अछनेरा पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई करते हुए शांति भंग की आशंका में तीन लोगों का चालान किया। पुलिस ने अनुराग दीक्षित पुत्र रामबाबू निवासी कीठम, अमृत पुत्र सौदान सिंह निवासी बबरोद तथा गब्बर पुत्र राजेंद्र निवासी बबरोद के विरुद्ध कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

अछनेरा। थाना अछनेरा पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को वांछित वारंटी आजाद खान (28) पुत्र जिम्मू खान, निवासी ग्राम ब्यारा, थाना अछनेरा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2021 के मुकदमे में न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी पुलिस टीम ने प्रभारी निरीक्षक विजय वर्मा सिंह चंदेल के नेतृत्व में की।

जंगल में चल रही थी 'मिनी गन फैक्ट्री'

एत्मादपुर पुलिस ने 5 हथियार तस्कर किए गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

फिरोजाबाद बॉर्डर स्थित छोटा सुरेरा के जंगल में चल रही अवैध असलहा निर्माण फैक्ट्री का एत्मादपुर पुलिस, एसओजी, साइबर सर्विलांस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने शुभम शर्मा, आदिल, राशिद हुसैन, आसिफ और प्रिंस नागवाड़ी समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से पांच तमंचे, एक पिस्टल, कारतूस, अर्धनिर्मित हथियार, हथियार बनाने के उपकरण, तीन गैस सिलेंडर, मोबाइल और नकदी बरामद हुई। पुलिस पूरे हथियार तस्करी नेटवर्क की जांच में जुटी है।

कमिश्नरेट आगरा की थाना एत्मादपुर पुलिस ने साइबर सर्विलांस, काउंटर इंटेलिजेंस और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए आगरा-फिरोजाबाद सीमा पर संचालित एक अवैध असलहा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छोटा सुरेरा के जंगल में चल रही इस फैक्ट्री से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर और तकनीकी सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने छोटा सुरेरा के जंगल में घेराबंदी कर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मौके से शुभम शर्मा, आदिल, राशिद हुसैन, आसिफ और प्रिंस नागवानी को गिरफ्तार किया गया।

मांग पर तैयार होते थे हथियार

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी जंगल में छिपकर अवैध हथियार तैयार करते थे। ऑर्डर मिलने पर उनकी सप्लाई करते थे। पुलिस के मुताबिक शुभम शर्मा और आदिल आगरा में अवैध हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क संभालता था। जबकि प्रिंस नागवानी फिरोजाबाद, एटा और आसपास के जिलों में हथियार पहुंचाने का काम करता था।

भारी मात्रा में हथियार और उपकरण बरामद

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच अवैध तमंचे, एक पिस्टल, कारतूस, अर्धनिर्मित हथियार, हथियार बनाने के उपकरण, तीन एलपीजी गैस सिलेंडर, मोबाइल फोन और नकदी बरामद की। मौके से बरामद मशीनें और उपकरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जंगल में ही हथियारों का निर्माण किया जा रहा था।

नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। जांच का फोकस इस बात पर है कि अब तक कितने हथियार तैयार कर बेचे गए, किन-किन जिलों में उनकी सप्लाई की गई और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए विभिन्न जिलों में भी जानकारी जुटा रही है।

एसीपी ने दी कार्रवाई की जानकारी

एसीपी एत्मादपुर देवेश कुमार सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई थाना एत्मादपुर पुलिस, साइबर सर्विलांस, काउंटर इंटेलिजेंस और एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा की गई। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

अभ्यास वर्ग की तैयारियों पर चर्चा

आगरा। सहकार भारती विभाग की बैठक रविवार को समृद्धि सागर अपार्टमेंट स्थित विभाग कार्यालय में हुई। बैठक का शुभारम्भ राष्ट्रऋषि लक्ष्मणराव इनामदार एवं भारत माता के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत मैनपुरी जिला के महामंत्री कौशलेंद्र सिंह ने सबके साथ सहकार गीत का वाचन किया। बैठक की अध्यक्षता आगरा विभाग के विभाग प्रमुख राकेश शुक्ला ने की। बैठक में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी जिलों तथा आगरा महानगर के प्रमुख कार्यकताओं ने सहभागिता की। प्रदेश सह महिला प्रमुख करुणा नागर, विभाग सह प्रमुख अनिल सान्याल, आगरा महानगर के महामंत्री रोहित तवकले, संगठन प्रमुख प्रो. पीके. सिंह, जिला उपाध्यक्ष पीयूष गुप्ता, महामंत्री गंगा सिंह सिकरवार, संगठन प्रमुख देवेन्द्र सिंह कुशवाह, महिला प्रमुख मुन्नी देवी, सह महिला प्रमुख शिव कुमारी, मैनपुरी जिला अध्यक्ष केशव सिंह आदि ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभाग प्रमुख राकेश शुक्ला ने आगामी 12झ13 सितंबर को बलवंत विद्यापीठ रूरल इंस्टीट्यूट, बिचपुरी में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सहकार भारती अभ्यास वर्ग की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

रेलवे में निजीकरण का विरोध शुरू

एनसीआरएमयू आगरा मंडल की परिषद सभा आयोजित

टीएनएफ टुडे, धौलपुर/आगरा।

नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मैन्स यूनियन आगरा मंडल की दो दिवसीय महत्वपूर्ण मंडलीय परिषद सभा 1 अगस्त को धौलपुर स्थित जैन धर्मशाला, स्टेशन रोड पर हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विजय सिंह मीणा ने की। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कामरेड राकेश पाठक उपस्थित रहे।

सभा में आगरा मंडल की सभी दस शाखाओं के शाखा अध्यक्ष, शाखा सचिव, केंद्रीय पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में भारतीय रेल के बढ़ते निजीकरण के प्रयासों का कड़ा विरोध करते हुए कर्मचारियों के बीच व्यापक जनजागरण अभियान चलाने और कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरुद्ध एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। परिषद ने केंद्र सरकार से आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट शीघ्र जारी करने की मांग की। मंडल मंत्री सुकेश यादव ने वार्षिक संगठनात्मक रिपोर्ट तथा मंडल कोषाध्यक्ष हरिओम भारद्वाज ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। धौलपुर शाखा के सचिव एवं मेल/एक्सप्रेस लोको पायलट राम सिंह जाट के सेवानिवृत्त होने पर मंडल एवं शाखा पदाधिकारियों द्वारा उनका शॉल ओढ़ाकर और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्रीय उपाध्यक्ष कामरेड विजय वीर सिंह, कामरेड मनीष कुमार सिंह, संयुक्त महामंत्री कामरेड वी.एस. कसाना, महिला विंग संयोजक कामरेड निखिल वाजपेयी, नीरज परिहार, साजमा प्रवीन, सौरजेश कुमार, संजीव जैन, प्रदीप कनौजिया, नेतराम मीणा आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 200 पुलिसकर्मियों की जांच

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा ऑर्थोपेडिक सोसायटी के शहरव्यापी जन-स्वास्थ्य अभियान "आगरा मूव्स बेटर-2026" के अंतर्गत रविवार को पुलिस प्रशिक्षण केंद्र, पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों एवं उनके परिजनों के लिए नि:शुल्क अस्थि, तंत्रिका एवं मुद्रा स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर आगरा पुलिस, आगरा ऑर्थोपेडिक सोसायटी, उत्तर प्रदेश ऑर्थोपेडिक, इंडियन ऑर्थोपेडिक, पुलिस हॉस्पिटल और वामा सारथी पहल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। लगभग 200 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने स्वास्थ्य जाँच और विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। पुलिसकर्मियों को लंबे समय तक ड्यूटी के दौरान सही ढंग से बैठने व खड़े होने, मोबाइल व कंप्यूटर के सुरक्षित उपयोग, नियमित स्ट्रेचिंग और गर्दन-कमर दर्द से बचाव के सरल उपाय सिखाए गए। मेडिकल कॉलेज के डॉ. नीरज व डॉ. विवेक, डॉ. डी.वी. शर्मा और सचिव डॉ. संजय चतुर्वेदी ने उपस्थित जनों को चिकित्सकीय परामर्श दिया। पुलिस हॉस्पिटल की डॉ. सुनीता उपेंद्र, पूजा, राजेश कुमार और टोनी का सहयोग रहा।

शिविर में 200 यूनिट हुआ रक्तदान, पूज्य सिंधी पंचायत एवं जय झूलेलाल सेवा संगठन का आयोजन

आगरा। साईं झूलेलाल जी के चालिए व्रत के पावन अवसर पर "रक्तदान महादान, सेवा ही पहचान" और "एक बूंद में जीवन, एक दान में पुण्य" के संदेश के साथ आयोजित विशाल रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। आयोजन पूज्य सिंधी पंचायत कमला नगर, एवं जय झूलेलाल सेवा संगठन परिवार, कमला नगर के तत्वावधान में किया गया। शिविर का आयोजन स्थल एफ-42 सिंधु भवन, कमला नगर में रविवार सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक चला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नवीन जैन, गुरमुख दास उदासीन मठाधीश बाबा रगुराम, वीर महेंद्र पाल सिंह सुखमनी सेवा सभा के द्वारा मां सरस्वती व भगवान झूलेलाल के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। शिविर में रक्तदान के लिए सुबह से ही भीड़ लगी रही। दोपहर 3 बजे तक 200 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष दीपक आतवानी, महामंत्री राजीव नागरानी, संयोजक महेश नारायणी, मोंटू करीरा, चंद प्रकाश विशनानी और कैलाश नाथवानी का विशेष योगदान रहा। दादा रोचीराम नागरानी, आनंद कुमार मनवाणी, चन्द्र प्रकाश सोनी, परमानन्द अतवानी, रमेश कल्याणी आदि उपस्थित रहे।

यूपी स्टेट योग स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 7 से, इटावा लायन सफारी पार्क में होगा आयोजन

आगरा। 10वीं स्टेट योग स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप इटावा लायन सफारी पार्क में 7 से 10 अगस्त को उप्र योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित की जा रही हैं। इस चैम्पियनशिप में प्रदेश के 18-19 जनपदों के लगभग 300 बालक/बालिकाएं प्रतिभाग करेंगे। इसमें लखनऊ, मथुरा, आगरा, फर्रुखाबाद, फैजाबाद, बलिया, अलीगढ़, इटावा, बुलन्दशहर, उन्नाव, कानपुर, अमरोहा, बस्ती, झांसी, मुरादाबाद, वाराणसी, सहारनपुर, हरदोई तथा प्रयागराज की टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह चैम्पियनशिप तीन दिवसीय होगी। चैम्पियनशिप के टेक्निकल चेयरमैन डॉ. मुकेश राय होंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ 7 अगस्त को सायं 04 बजे होगा। प्रारम्भिक मैच इसी दिन 5 से 7:30 बजे तक होंगे। 8 अगस्त पूरे दिन प्रात: 8 बजे चैम्पियनशिप से शेष मैच खेले जायेंगे। 9 अगस्त को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक सभी कैटेगरी के फाइनल मैचेज होंगे। इसी दिन पूर्वान्ह 11 बजे से समापन व पुरस्कार वितरण समारोह होगा।

अरी बहना अखियां हैं प्यासी-प्यासी...

तीज उत्सव में छाई मायके वाली मस्ती और शरारतें

अग्रवाल संगठन रामबाग का अतिथिवन में आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

हरियाली तीज उत्सव में सावन के गीतों की खूब बहार छायी। मस्ती व उमंग के साथ मनाए गए हरियाली तीज उत्सव में आकर्षक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इसमें विजेता प्रतिभागियों को सुहाग चिह्न व पौधे उपहार स्वरूप भेंट किए गए। मायके में सखियों संग की जाने वाली मस्ती और शरारतें मानों करवट लेकर फिर लौट आयी।

अग्रवाल संगठन रामबाग द्वारा आयोजित तीज उत्सव की मस्ती और उल्लास ने बचपन में मायके में मनायी जाने वाली तीज की यादों को फिर ताजा कर दिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाली हर सखी का कुछ ऐसा ही अनुभव था, जहां सभी को उपहार स्वरूप पौधे प्रदान किए गए। तीजोत्सव का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ममता गोयल, नीलम गोयल, ममता अग्रवाल, डोली गोयल, पार्षद प्रियंका अग्रवाल ने मां सरस्वती का पूजन पर उनकी तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष निशा सिंघल ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर व पटका पहनाकर किया।

महिलाओं ने सावन के गीत और मल्हार गाकर और झूला झूलकर तीजोत्सव का खूब लुत्फ उठाया। नृत्य किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अरी बहना अखियां हैं प्यासी..., गौरा झूला झूल रही..., सावन में मोरनी बनकर..., झूला तो पड़ गयो... जैसे गीतों पर नृत्य कर सखियों ने खूब लुत्फ उठाया। संचालन राजेश अग्रवाल व कार्यक्रम का संयोजन जहान्वी सिंघल ने किया। इस अवसर पर नीलम, जूही, गीता, मंजू, आरती, रेखा, बबिता, सुनीता, सरिता, पूनम, रिंकी, ग्रीष्मा, सुषमा, डौली, प्रीति, जूली, रानी, रूपल, नेहा आदि उपस्थित थीं।

दिन दहाड़े घर में घुस कर किशोरी से छेड़छाड़

विरोध पर दी जान से मारने की धमकी, पुलिस ने महज 12 घंटे में आरोपी को किया गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, बाह।

क्षेत्र के एक गांव में दिन दहाड़े घर में घुस कर अकेली मिली किशोरी के साथ छेड़छाड़ किए जाने एवं विरोध पर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में महज 12 घंटे में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बाह क्षेत्र के एक गांव में शनिवार दोपहर 1 बजे घर पर 15 साल की किशोरी मौजूद थी, घर पर कोई और नहीं था। कैंजरा रोड बिजौली का रहने वाला शोलू घर में घुस गया, घर का दरबाजा बंद कर अंदर से कुंदी लगा ली। किशोरी के साथ जबरन छेड़छाड़ की। शोहदे की हरकतों का विरोध कर किशोरी ने शोर मचा दिया। शोहदे ने मारपीट कर किशोरी को धमकी दी कि किसी को कुछ बताया तो जान मार देगा। शोर पर किशोरी के चाचा ने 112 नंबर डायल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस के आने पर शोहदा भाग निकला। एसीपी बाह हरेन्द्र कुमार ने बताया कि किशोरी के साथ छेड़छाड़ के मामले में आरोपी शोलू को भदावर डिपो बाह के वर्कशॉप के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसे छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट में जेल भेज दिया है।

जी-ब्लॉक सुधार समिति की बैठक आयोजित

आगरा। कमला नगर स्थित हनुमान पार्क में जी-ब्लॉक सुधार समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक समिति के अध्यक्ष राजीव वर्मा की अध्यक्षता में सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में संरक्षक एस.के. गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनीष चोपड़ा, महामंत्री अनुज जैन 'क्रांति', उपाध्यक्ष राकेश मेहता, उपाध्यक्ष द्रोण पाल ठाकुर, संयुक्त मंत्री पिंटू जैन एवं महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अनुपम सक्सैना सहित समिति के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा, स्वच्छता, सीवर व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, सड़कों की मरम्मत एवं अन्य जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखी गई कई समस्याओं का तत्काल समाधान कराया गया। जबकि शेष समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन प्राप्त हुआ। बैठक का सफल संचालन महामंत्री अनुज जैन 'क्रांति' ने किया। मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा ने कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार एवं मीडिया समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं महेश शर्मा लाला भाई का विशेष सहयोग बैठक की सफलता में सराहनीय रहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजीव वर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमिताभ गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष मनीष चोपड़ा, सुनील, मधुर तिवारी, पुनीत कुशवाहा, संजीव गुलाटी, जगत कुमार गुप्ता, हेमंत, राकेश कुमार, प्रदीप, मनीष, सत्यदेव, शिवम माहेश्वरी, पंकज राठी, अंकुर जैन, नरेश शर्मा, भास्कर, सुमित गुप्ता, प्रदीप भदौरिया, मनीष गोयल, नरेंद्र प्रताप सिंह, नमन चौधरी, सुशील कुमार गुप्ता, आदित्य गुप्ता उपस्थित रहे।

संगठन सुदृढ़ीकरण एवं वेद-प्रचार पर मंथन

आगरा। आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार जनपद का जिला आर्य अधिवेशन रविवार को आर्य समाज, कमला नगर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन का उद्देश्य जनपद की समस्त आर्य समाजों के मध्य संगठनात्मक समन्वय स्थापित करना, वेद-प्रचार को गति प्रदान करना तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करना था।

अधिवेशन में आचार्य पंकज आर्य (वरिष्ठ उपप्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में आर्य समाजों के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, नियमित दशांश व्यवस्था, वेद-प्रचार, साप्ताहिक सत्संग, आर्य वीर दल एवं आर्य वीरांगना दल के विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। अधिवेशन की अध्यक्षता डॉ. वीरेन्द्र खंडेलवाल (अंतरंग सदस्य, आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश) ने की। बैठक का संचालन आचार्य हरिशंकर अग्निहोत्री ने किया। अधिवेशन में जनपद की लगभग 30 आर्य समाजों के प्रधानों, मंत्रियों, पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा विभिन्न विषयों पर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

अरविंद मेहता द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया गया। बैठक में स्वामी श्रद्धानन्द जी एवं अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल जी के बलिदान शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों के आयोजन, 14 से 25 नवम्बर तक प्रस्तावित ₹आर्य प्रेरणा रैली₹ तथा 24, 25 एवं 26 अक्टूबर को बबराला (संभल) में आयोजित होने वाले प्रांतीय आर्य महासम्मेलन में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। आचार्य पंकज आर्य ने विद्वान अश्विनी जी को आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तर प्रदेश का अंतरंग सदस्य घोषित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वीरेन्द्र कनवर (कार्यक्रम संयोजक), विजयपाल सिंह चौहान (कार्यक्रम व्यवस्थापक), डॉ. वीरेन्द्र खंडेलवाल (अंतरंग सदस्य), अभय यादव (जिला संचालक, आर्य वीर दल, आगरा) तथा आर्य समाज, कमला नगर के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

शहर की सड़कें बन गईं अखाड़ा

खंदारी में चले लात-घूंसे, लोहामंडी में निगम कर्मियों पर हमला

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़क पर हुए विवादों ने माहौल गरमा दिया। एक ओर खंदारी चौराहे पर दो कारों की मामूली टक्कर के बाद दोनों चालक बीच सड़क पर भिड़ गए। वहीं, दूसरी ओर लोहामंडी क्षेत्र में सड़क पर गिट्टी, पत्थर और रेत डालने का विरोध करना नगर निगम कर्मचारियों को भारी पड़ गया। दोनों घटनाओं में सड़क पर जमकर हंगामा हुआ। इससे मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और यातायात भी प्रभावित हुआ।

जानकारी के अनुसार खंदारी चौराहे पर दो कारों की मामूली टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों वाहन चालकों के बीच पहले कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने बीच सड़क पर एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने शुरू कर दिए। अचानक हुई मारपीट से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने पूरी घटना अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मारपीट के कारण कुछ देर तक यातायात बाधित रहा और चौराहे पर जाम की स्थिति बन गई।

उधर, लोहामंडी क्षेत्र में सफाई अभियान के दौरान भी विवाद हिंसक रूप ले बैठा। नगर निगम के सफाई कर्मी ललित, राहुल और कर्मशाला चालक कन्हैया क्षेत्र में सफाई कार्य कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक अपने साथियों के साथ सड़क पर गिट्टी, पत्थर और रेत डालने लगा। नगर निगम कर्मचारियों ने सड़क पर निर्माण सामग्री डालने का विरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि ट्रैक्टर चालक और उसके साथियों ने तीनों कर्मचारियों के साथ मारपीट कर दी। हमले में तीनों कर्मचारी घायल हो गए। घटना के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही।

नगर निगम कर्मचारियों का प्रदर्शन

घटना से नाराज नगर निगम कर्मचारियों ने पहले सेक्टर-4 पुलिस चौकी और उसके बाद जगदीशपुरा थाने पहुंचकर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने थाना प्रभारी प्रदीप कुमार को शिकायत पत्र सौंपते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर बढ़ते विवाद बने चिंता का विषय

एक ही दिन शहर के दो अलग-अलग इलाकों में सड़क पर हुई मारपीट की घटनाओं ने आम लोगों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। खंदारी में मामूली सड़क हादसा हिंसक झगड़े में बदल गया। जबकि लोहामंडी में सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया। दोनों घटनाओं ने यह संकेत दिया कि छोटी-छोटी बातों पर सड़क पर हिंसक विवाद तेजी से बढ़ रहे हैं।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

संस्थागत मर्यादा

न्याय संहिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में क्षमा, सहनशीलता और संस्थागत मयार्दा के बीच संतुलन यह रेखांकित करेगा कि कानून सर्वोपरि है, किंतु न्याय प्रणाली मानवीय संवेदना, मानसिक स्थिति और परिस्थितियों का संज्ञान लेते हुए संयम का मार्ग भी अपनाती है ।न्याय और संयम का संतुलनप्रबल प्रताप प्रकरण में अदालत ने अवमानना की कार्रवाई से बचकर यह संदेश दिया कि न्यायपालिका बल या अति-प्रतिक्रिया के बजाय विधिक व मानवीय परिपक्वता को प्राथमिकता देती है ।राजनीतिक और सामाजिक जीवन में असहज बयानों व विरोध के बावजूद क्षमादान या आगे बढ़ने की प्रवृत्ति सहिष्णुता और लोकतांत्रिक परिपक्वता को दशार्ती है। संस्थागत गरिमा और कानून की बाध्यताअदालत की मयार्दा बनाए रखने के लिए सख्त प्रोटोकॉल और कानूनी प्रावधान आवश्यक हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति व्यवस्था को चुनौती न दे सके ।व्यक्तिगत आहत होने या दबाव के क्षणों में भी विधिक प्रक्रिया का निष्पक्ष और शांत बने रहना न्याय व्यवस्था की असली ताकत है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना हर नागरिक का अधिकार है और सत्ता की आलोचना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की ताकत मानी जाती है। लेकिन जब विरोध की भाषा शालीनता की सीमा लांघकर व्यक्तिगत अपमान में बदल जाए, जब तर्क और तथ्यों की जगह गाली-गलौज और कटाक्ष ले लें, और जब वरिष्ठों के सम्मान जैसी बुनियादी सामाजिक मयार्दाओं का भी मजाक उड़ाया जाने लगे, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह लोकतांत्रिक विरोध है या फिर अभिव्यक्ति की आजादी की आड़ में सभ्य संवाद की संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश है?भारत के मतदाताओं ने बार-बार यह संकेत दिया है कि वे नीतियों पर बहस चाहते हैं, लेकिन व्यक्तिगत अभद्रता को पसंद नहीं करते। राजनीतिक इतिहास में अनेक उदाहरण हैं जहां तीखी व्यक्तिगत टिप्पणियों की तुलना में मुद्दों पर आधारित राजनीति को अधिक स्वीकार्यता मिली। ऐसे में यह मान लेना कि अपमानजनक भाषा ही जनभावना का प्रतिनिधित्व करती है, वास्तविकता से दूर आकलन है। दूसरी ओर, अभिनेत्री रिचा चड्ढा का हालिया सोशल मीडिया पोस्ट भी इसी मानसिकता की झलक देता है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के बारे में टिप्पणी करते हुए लिखा कि केवल उम्र के आधार पर सम्मान नहीं मिलना चाहिए और अपनी बात को स्थापित करने के लिए उन्होंने ऐसे शब्दों और उपमाओं का प्रयोग किया जोकि अपमानजनक और असंवेदनशील थीं। किसी व्यक्ति का सम्मान केवल उम्र से नहीं, उसके आचरण से भी जुड़ा हो सकता है, यह तर्क अपनी जगह है। लेकिन क्या इस विचार को व्यक्त करने के लिए पूरे वरिष्ठ वर्ग का उपहास उड़ाना, उनकी शारीरिक स्थिति पर कटाक्ष करना और उन्हें अपमानित करने वाली भाषा का प्रयोग करना उचित माना जा सकता है? रिचा चड्ढा को यह पता होना चाहिए कि भारतीय समाज में बुजुर्गों का सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का महत्वपूर्ण आधार रहा है। हम आपको यह भी बता दें कि रिचा चड्ढा इससे पहले भी कई विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं। ऐसे में यह धारणा भी मजबूत होती है कि फिल्म और मनोरंजन जगत के कुछ कलाकार अपनी नई फिल्म या वेब सीरीज के रिलीज से पहले चर्चा में बने रहने और लाइमलाइट हासिल करने के लिए जानबूझकर विवादित बयान देते हैं। देखा जाये तो सरकारों से सवाल पूछना आवश्यक है, आंदोलनों का होना भी लोकतंत्र का हिस्सा है और सार्वजनिक हस्तियों की आलोचना भी पूरी तरह वैध है। लेकिन यदि आलोचना की भाषा ही अपमान में बदल जाए, यदि असहमति की जगह व्यक्ति और उसके परिवार को निशाना बनाया जाए और यदि वरिष्ठों के प्रति सम्मान को ही पिछड़ापन बताने की कोशिश होने लगे, तो यह केवल राजनीतिक या वैचारिक बहस नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक संस्कारों के क्षरण का संकेत बन जाती है। आखिरकार लोकतंत्र केवल अधिकारों से नहीं चलता, बल्कि जिम्मेदारियों से भी चलता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण संवाद की मयार्दा भी है। असहमति का अधिकार लोकतंत्र को मजबूत करता है, लेकिन अभद्रता और व्यक्तिगत अपमान किसी भी लोकतांत्रिक समाज को मजबूत नहीं, बल्कि कमजोर ही करते हैं।

रंग दे बसंती से नीट तकः बदलते दौर का लोकतांत्रिक शिष्टाचार

अशांशु संचेती

इन छात्रों का कसूर सिर्फ इतना है कि इन्होंने एक ऐसी व्यवस्था पर भरोसा किया, जिसने इनके सपनों की बोली लगा दी। जब ये बच्चे फटे और सूखे होठों के साथ, अपनी टूटती सांसों को थामकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल सुधार की मांग करते हैं, तो सत्ता के गलियारों से एक ऐसी बफीर्ली और डरावनी खामोशी आती है जो सर्दियों की रातों से भी ज्यादा ठंडी है। यह महज एक परीक्षा का पर्चा लीक होने का मामला नहीं है।

वोजबां जिसे सरगोशियां भी गवारा न थीं,
अब चीखती है तो जमाने को गिला होता है।

सिनेमाघर के उस घने अंधेरे में प्रोजेक्टर की रोशनी जब सफेद पर्दे पर तैरती थी, तो वो सिर्फ एक कहानी नहीं बेच रही थी। साल 2006 की बात है, जब थिएटर की सीटों पर बैठे युवाओं की रीढ़ में एक अजीब सी सिहरन दौड़ जाती थी, जब फिल्म 'रंग दे बसंतीइ के नायक भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गेट की मुंडेर पर मोमबत्तियां जलाकर बैठ जाते थे। तब उस सिनेमाई प्रतिवाद को देखकर किसी ने थियेटर के बाहर पुलिस का पहरा नहीं लगाया, न ही उन फिल्मकारों के दफ्तरों पर ताले जड़े गए। व्यवस्था पर तीखे से तीखा प्रहार भी लोकतंत्र के विशाल कैनवास पर एक स्वीकृत रंग की तरह स्वीकार कर लिया जाता था। वह एक ऐसा दौर था जहां सत्ता कितनी भी निरंकुश होने की कोशिश करे, पर समाज की सामूहिक चेतना की आवाज को सुनने के लिए उसके कान खुले रहते थे।

इस सिनेमाई किस्से के ठीक पांच साल बाद, इतिहास ने एक और करवट ली। साल 2011 की उस तपती गर्मियों में दिल्ली का रामलीला मैदान एक अभूतपूर्व जन-आंदोलन का मंच बना। एक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट आई, जिसमें भ्रष्टाचार के इतने शून्य लगे थे कि आम आदमी गिनते-गिनते थक जाए। हालांकि बाद में अदालत की चौखटों पर वे आरोप कानूनी रूप से उस तरह टिक नहीं पाए और तकनीकी रूप से धराशायी हो गए। लेकिन उस दौर की सरकार का जो रवैया था, वह आज एक लोककथा जैसा प्रतीत होता है। देश के वरिष्ठतम मंत्री आधी रात को प्रदर्शनकारियों से बात करने हवाई अड्डों पर दौड़ रहे थे, बंद कमरों में मसौदे तैयार हो रहे थे, इस्तीफे दिए जा रहे थे और संसद के भीतर असहमति के स्वरों को पूरी जगह मिल रही थी।

वह सत्ता का डर नहीं था, वह लोकतंत्र का वह बुनियादी शिष्टाचार था जिसे 'संवाद' कहते हैं।

समय का पहिया घूमा, सत्ता की भाषा बदली और उसके साथ ही बदल गई हमारे देखने और सुनने की आदतें। आज जब हम वर्तमान समय की पटरियों पर नजर डालते हैं, तो अतीत का वह लचीलापन किसी दूसरे ग्रह की कहानी लगने लगता है। आज देश की राजधानी दिल्ली की तंग सड़कों पर एक बिल्कुल अलग और रूह को कंपा देने वाला दृश्य है। जो युवा कल तक बंद कमरों में, टेबल लैंप की मद्धम रोशनी में चौदह-चौदह घंटे चिकित्सा विज्ञान की भारी-भरकम किताबें रट रहे थे, वे आज चौदह-पंद्रह दिनों से दिल्ली की सड़कों पर आमरण अनशन पर बैठे हैं। मुद्दा है-नीट परीक्षा की शुचिता और उसकी परतों के पीछे छिपा एक कथित संगठित भ्रष्टाचार।

इन छात्रों का कसूर सिर्फ इतना है कि इन्होंने एक ऐसी व्यवस्था पर भरोसा किया, जिसने इनके सपनों की बोली लगा दी। जब ये बच्चे फटे और सूखे होठों के साथ, अपनी टूटती सांसों को थामकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल सुधार की मांग करते हैं, तो सत्ता के गलियारों से एक ऐसी बफीर्ली और डरावनी खामोशी आती है जो सर्दियों की रातों से भी ज्यादा ठंडी है। यह महज एक परीक्षा का पर्चा लीक होने का मामला नहीं है; यह इस देश के करोड़ों मध्यमवर्गीय और गरीब माता-पिता की उस समूची जीवन-पूंजी की डकैती है, जो वे अपने बच्चों को एक अदद डॉक्टर बनाने के सपने में होम कर देते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में हमारे लोकतंत्र का तथाकथित 'चौथा स्तंभ' जिस भूमिका में नजर आ रहा है, वह इतिहास के सबसे काले अध्यायों में गिना जाएगा। वह मुख्यधारा की मीडिया, जो कभी अन्ना आंदोलन के समय हर एक घंटे पर देश का पारा नापती थी, आज इन अनशनकारी बच्चों के फफोले पड़े पैरों और गिरते हुए ग्लूकोज लेवल से मुंह चुराए बैठी है। विडंबना की पराकाष्ठा देखिए कि जो मीडिया कभी जनता के तीखे सवालों की मशाल लेकर सत्ता की दहलीज पर खड़ा होता था, आज वह सत्ता की ढाल बनकर अपने ही देश के बच्चों के खिलाफ खड़ा है। जब प्राइम-टाइम के स्टूडियो में इन भूखे बैठे छात्रों के दर्द पर चर्चा करने के बजाय सांप्रदायिक ध्रुवीकरण या राजनीतिक जोड़-तोड़ का तमाशा परोसा जा रहा हो, तो समझ जाना चाहिए कि व्यवस्था ने विमर्श की रीढ़ ही तोड़ दी है।

लेकिन बात सिर्फ मीडिया की खामोशी तक नहीं रुकती, बात इससे आगे बढ़कर एक बेहद खतरनाक प्रवृत्ति की ओर जाती है। आज के दौर में यदि कोई छात्र, कोई बुद्धिजीवी या कोई पीड़ित नागरिक व्यवस्था की खामियों पर उंगली उठा दे, तो तर्कों से उसकी बात काटने के बजाय सीधे उसके चरित्र पर प्रहार किया जाता है। एक झटके में इन आंदोलनकारी छात्रों को 'टूलकिट का हिस्सा', 'साजिशकर्ता' या 'देशद्रोही' घोषित कर दिया जाता है। यह कैसी राष्ट्रभक्ति है जो अपने ही देश के मेधावी युवाओं को दुश्मन की तरह देखने लगती है? असहमति के हर स्वर को कुचलने और उसे राष्ट्र-विरोधी करार देने का यह खेल दरअसल सत्ता के भीतर के गहरे डर और अहंकार का मिला-जुला रूप है।

नीट परीक्षा का यह संकट कोई एक अकेली घटना नहीं है, यह उस व्यापक बीमारी का एक छोटा सा लक्षण है जिससे हमारा समाज गुजर रहा है। आज युवा रोजगार के एक अंतहीन और धुंधले कुहासे में भटक रहे हैं। हाथों में डिग्रियां हैं, आंखों में उम्मीदें, लेकिन जब वे रोजगार मांगते हैं तो उन्हें लाठियां मिलती हैं या फिर आश्वासन के खोखले पुलिंदे! हमारी संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर रोज एक नया सवालिया निशान लगता है। जहां कभी तर्कों, तथ्यों और दर्शन के आधार पर विमर्श की स्वस्थ परंपरा थी, आज वहां केवल अंधसमर्थन का शोर और विरोधियों के प्रति नफरत की भाषा बची है।

एक लोकतंत्र में सरकारें बदलती हैं, चेहरे बदलते हैं, और यह इस व्यवस्था की सबसे सुंदर नियति है। लेकिन जब शासन बदलने के साथ-साथ 'लोकतंत्र की आत्मा' यानी उसकी संवेदनशीलता, उसकी आलोचना सहने की क्षमता और 'संवाद की तत्परता' ही गायब हो जाए, तो वह समाज भीतर से खोखला होने लगता है। कोई भी राष्ट्र केवल कांक्रीट के जंगलों, एक्सप्रेस-वे या आर्थिक आंकड़ों की चमक से महान नहीं बनता। किसी राष्ट्र की महानता इस बात से मापी जाती है कि वह संकट के समय अपने सबसे लाचार और पीड़ित नागरिक की आवाज को कितनी शिद्दत और सम्मान के साथ सुनता है।

समय आ गया है कि सत्ता अपनी इस हठधर्मिता के अभेद्य किले से बाहर आए। दिल्ली की सड़कों पर भूख से तड़पते ये युवा किसी दुश्मन देश से नहीं आए हैं, वे इसी मिट्टी के बच्चे हैं और इसी देश का भविष्य हैं। अगर आज उनके आंसुओं को एक 'साजिश' मानकर अनसुना कर दिया गया, तो इतिहास इस दौर को एक ऐसे स्याह समय के रूप में दर्ज करेगा जब देश की मेधा सड़कों पर दम तोड़ रही थी और हुक्मरान अपने बंद कमरों में तख्त-ओ-ताज की सलामती का जश्न मना रहे थे।

सबक पढ़ फिर सदाकत का, अदालत का, शहादत का,
लिया जाएगा तुझ से काम दुनिया की इमामत का।।

- मंदसौर

नोजवान का आक्रोश

ईमानदारी की अर्थी और पर्चों का बाजार'आजकल हमारे देश में शिक्षा और परीक्षाओं का जो स्वांग रचा जा रहा है, वह किसी तमाशे से कम नहीं है। अंतर केवल इतना है कि तमाशा देखने के लिए पैसे देने पड़ते हैं, और यहाँ देश का भविष्य देखने के लिए गरीब अपनी पूरी जिंदगी दांव पर लगा देता है। यह जो 'पर्चा आउट' होने की बीमारी है, यह किसी दफ्तर की लापरवाही नहीं है; यह हमारे समाज के नैतिक पतन का सड़ा हुआ फोड़ा है, जो अब फूट चुका है ।साहब बहादुर वातानुकूलित कमरों में बैठकर बड़े-बड़े कानून बनाते हैं। बड़े-बड़े भाषणों में 'मेधा' और 'परिश्रम' की दुहाई दी जाती है। लेकिन हकीकत यह है कि आज परीक्षा की मेज पर योग्यता नहीं, तिजोरियाँ टकरा रही हैं। एक तरफ वह बदनसीब नौजवान है, जो रात-रात भर जागकर, भूख-प्यास भूलकर, दीये की मद्धम रोशनी में अपनी आँखें सुजाता है। उसके बूढ़े बाप ने अपनी रीढ़ की हड्डी गलाकर, खेत-खलिहान बेचकर उसे शहर भेजा है कि बेटा बाबू बनेगा तो घर की दरिद्रता दूर होगी ।दूसरी तरफ वे हुक्मरान और दलाल हैं, जिनकी आत्मा मर चुकी है। उनके लिए परीक्षा केवल एक ऐसा मेला है, जहाँ नौकरियों की बोलियाँ लगती हैं। पाँच लाख, दस लाख की गड्डियाँ फेंकी जाती हैं और प्रश्न-पत्र इम्तिहान के कमरों से पहले लालाओं के ड्राइंग रूम में पहुँच जाते हैं। जो लड़का कल तक वर्णमाला का ककहरा नहीं जानता था, वह आज पर्चे खरीदकर मेरिट लिस्ट में सबसे ऊपर बैठ जाता है ।और जब यह पाप पकड़ा जाता है, तो व्यवस्था बड़ी मासूमियत से कह देती है—श्परीक्षा रद्द की जाती है ।श्अरे हुजूर! परीक्षा रद्द करना तो बड़ा आसान है। एक कलम की स्याही से लाखों बच्चों का भविष्य पोंछ दिया जाता है। लेकिन उस माँ के आंसुओं का क्या, जिसने बेटे की सफलता की मन्नत मांगी थी? उस बाप की साख का क्या, जो महाजन के कर्ज के नीचे दबा जा रहा है? उस नौजवान के भीतर टूटे हुए हौसले और आत्मविश्वास का क्या, जिसकी उम्र का एक कीमती साल आपने एक झटके में लील लिया? आप परीक्षा रद्द नहीं करते, आप उस गरीब के आत्मसम्मान की हत्या करते हैं ।न्याय की तराजू पर जब तक पैसे का पलड़ा भारी रहेगा, तब तक यह नाटक चलता रहेगा। जब तक पर्चा लीक करने वाले मगरमच्छ खुलेआम घूमेंगे और केवल छोटी मछलियों को पकड़कर वाहवाही लूटी जाएगी, तब तक शिक्षा का यह मंदिर अपवित्र होता रहेगा। आज देश का पढ़ा-लिखा युवा सड़कों पर डिग्रियाँ लेकर भीख माँगने को मजबूर है, और भ्रष्टाचार का दानव अट्टहास कर रहा है। यदि समय रहते समाज की इस सड़न को साफ नहीं किया गया, तो याद रखिएगा कि भूखे और छले हुए नौजवानों का आक्रोश किसी भी साम्राज्य की नींव हिलाने की ताकत रखता है।

-अनाम

जंगल से मिलती है भोजन की थाली

आदिवासियों ने इस धरती पर सबसे कम बोझ डाला है। यानी आज के पर्यावरण संकट में उनका योगदान नहीं के बराबर है। उनकी जीवनशैली श्रम आधारित है। प्राकृतिक संसाधनों पर जीवन आधारित है। प्रकृति को बचाने में वे आगे रहे हैं। उनकी भोजन सुरक्षा में जंगल और खेत-खलिहान से प्राप्त खाद्य पदार्थों को ही गैर खेती भोजन कहा जा सकता है। इनमें भी कई तरह के पौष्टिक पोषक तत्व हैं। यह सब न केवल भोजन की दृष्टि से बल्कि पर्यावरण और जैव-विविधता की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

हमारे जंगल, पहाड़ और नदियां ऐसे स्थान हैं, जो न केवल अपने सौंदर्य से हमेशा आकर्षित करते हैं, बल्कि भोजन व आजीविका भी देते हैं। बारिश आते ही इन सभी की सुंदर छटाएं लुभाती हैं, लेकिन इसके साथ ही बहुत से ऐसी चीजें भी देते हैं, जो पोषण की दृष्टि से उपयोगी हैं। ये सभी मनुष्य के भोजन में शामिल होती हैं। आज इसी पर बात करना चाहूंगा, जिससे इन्हें समग्रता में समझा जा सके। प्रकृति हमें सहारा देती है, सुकून व शांति देती है, जब हम अपने तनाव भरे जीवन से छुट्टी पाना चाहते हैं, हम इनकी ओर रुख करते हैं। यह हमारी सबसे बड़ी शिक्षक भी रही है। यह हमारी जीती-जागती की नियामतें हैं। बरसात में उनकी छटा देखते ही बनती है। पेड़ों के तरह-तरह के रंग-रूप, छोटे-मोटे तने, टहनियां, रंग-बिरंगी पत्तियां, फल-फूल हमारी धरती पर अलग ही छटा बिखेरते हैं। जंगलों की तलहटी में फर्न अपनी अनोखी सुंदरता से मोहते हैं।

बरसात में नदियां तेजी से बहने लगती हैं, उनमें बाढ़ आने लगती है, उपजाऊ मिट्टी साथ लाती हैं। हमारे खेतों को उर्वर बनाती है। नदियों के किनारे ही सभ्यताएं पल्लवित-पुष्पित हुई हैं। बसाहट हुई है। इनके ही किनारों पर अच्छी खेती होती है। बारिश में इनका सौंदर्य काफी बढ़ जाता है। जंगल मनुष्य समेत कई जीव-जंतुओं को पालता-पोसता है। ताजी हवा, कंद-मूल, फल, घनी छाया, ईंधन, चारा, और इमारती लकड़ी और जड़ी-बूटियों का खजाना है। हमारे जंगल जनविहीन नहीं है, यहां गांव समाज है और ज्यादातर जंगलों में आदिवासी निवास करते हैं। उनके खानपान में जंगल से प्राप्त गैर खेती भोजन का बड़ा हिस्सा होता है। यह सैकड़ों जीव-जंतुओं की दुनिया भी बसती है। जंगल बच्चों को भूख से बचाता है, इसलिए हम जंगल को बचाते हैं। वहां से हमें भाजी, कंद-मूल, फल-फूल और कई प्रकार के मशरूम मिलते हैं। जिन्हें या तो सीधे खाते हैं या हांडी में पकाकर खाते हैं। मैंने कई जंगल वाले इलाकों की यात्राएं की हैं, और रिपोर्टिंग भी की है। आदिवासी कहते हैं कि जंगल उनके माई-बाप है। वे जीवन देते हैं। उससे उनके पर्व तीज-त्योहार जुड़े हुए हैं। धरती माता को वे पूजते हैं। वे प्रकृति पूजक हैं।

आदिवासियों की जीवनशैली अमौद्रिक होती है। वे प्रकृ ति के ज्यादा करीब है। प्रकृ ति से उनका रिश्ता मां-बेटे का है। वे प्रकृति से उतना ही लेते हैं, जितनी उन्हें जरूरत है। वे पेड़, पहाड़ को देवता के समान मानते हैं। उनकी जिंदगी प्राकृ तिक संसाधनों पर निर्भर है। ये फलदार पेड़ व कंद-मूल उनके भूख के साथी हैं।

जंगल से मिलने वाली चीजों में कंद-मूल, मशरूम, हरी भाजियां, फल, फूल और शहद आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ खाद्य सामग्री साल भर मिलती है और कुछ मौसमी होती है।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के जंगलों से आम, आंवला, बेल, कटहल, तेंदू, शहद, महुआ, सीताफल, जामुन, शहद मिलता है। कई तरह के मशरूम मिलते हैं। जंगल से उनका पूरा जीवन जुड़ा हुआ है। सुबह जागने से लेकर रात्रि सोने तक जंगल की कई चीजों को उपयोग में लाते हैं। जैसे प्रातः दातौन, खाना पकाने के लिए जलाऊ लकड़ी, कंद-मूल, वनोपज, छाती (मशरूम), सब्जी में कई प्रकार की हरी भाजियां मिलती हैं। थाली के रूप में सियारी या साल के पत्तों से बनी पतली (प्लेट) का उपयोग करते हैं।

इसके साथ ही सोरंदाकंद, पीताकंद, टुंडरीकंद, पीटकंद, नागरकंद, तरगरियाकंद, कु लियाकंद, बुरकीकंद, सीकापेंदी कंद, डोंगरकंद, दपनकंद, सिंधकंद, कावराकंद इत्यादि मिलता है। इसके अलावा, बोड़ा या फुटू (मशरूम) की सब्जी भी जंगल से मिलती है।

-बाबा मायाराम

सितारों की चालः आपका भविष्यफल

दिनांक 04 अगस्त 2026 मंगलवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। मंगलवार का दिन साक्षात पराक्रम के देवता पवनपुत्र भगवान हनुमान की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन हनुमान जी को लाल पुष्प अर्पित करना तथा हनुमान चालीसा या बजरंग बाण का वाचन करना जीवन में असीम साहस आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पवनपुत्र हनुमान जी को प्रणाम करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। हनुमान अष्टक का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। हनुमान जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता सीता को लाल पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर सिंदूर का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। निर्धन लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में लाल फल का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। हनुमान कवच का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। सुंदरकांड का मानसिक पाठ या श्रवण करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। अंजनीपुत्र हनुमान जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। वानरों को चना या केला खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी हनुमान मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

मंगलवार के दिन घर के मुख्य हॉल में दक्षिण या दक्षिण पूर्व की दिशा में लाल रंग का कोई सुंदर शोपीस या तांबे का मंगल यंत्र स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात बजरंगबली की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

मांगें पूरी न होने पर 5 अगस्त से थमेगा अतिरिक्त कामकाज

यूपी लेखपाल संघ का बड़ा अल्टीमेटम, तहसील में जमा कराएंगे बस्ते

■ 2,700 लेखपालों के तबादले, 21 माह से अटकी पदोन्नति और भत्तों में बढ़ोतरी को लेकर राजस्व परिषद को भेजा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपनी वर्षों पुरानी लंबित और न्यायोचित मांगों को लेकर शासन एवं राजस्व परिषद के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ (शाखा जनपद मथुरा) के जिलाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल और जिला मंत्री पवन कुमार के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से अध्यक्ष, राजस्व परिषद को ज्ञापन सौंपा है।

संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेश भर के लेखपाल 5 अगस्त से अतिरिक्त हल्के (प्रभार) का पूर्ण बहिष्कार करेंगे और अतिरिक्त बस्ते तहसील, राजस्व निरीक्षक कार्यालय में जमा करा देंगे। ज्ञापन में मांग की गई है कि अंतर-मंडलीय स्थानांतरण का पोर्टल फिर से खुले। मई 2025 में ऑनलाइन पोर्टल खोलकर 2,669 लेखपालों से आवेदन लिए गए थे, लेकिन 11 महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान में लगभग 2,700 लेखपाल अपने गृह मंडल से 400 से 800 किलोमीटर दूर तैनात हैं। संघ की मांग है कि ऑनलाइन पोर्टल तुरंत खोलकर तबादले किए जाएं। 29 अप्रैल 2026 को विभागीय पदोन्नति समिति की कार्यवाही पूरी होने के बावजूद आज तक प्रमोशन लिस्ट जारी नहीं की गई है। 21 महीनों से डीपीसी न होने के कारण कर्मचारियों में भारी असंतोष है। नवनियुक्त लेखपालों की प्रशिक्षण परीक्षा 13 सितंबर 2025 को संपन्न हो चुकी है। 11 महीने बीतने के बाद भी परिणाम और प्रमाणपत्र जारी नहीं किए गए हैं, जिससे उनका स्थायीकरण अटका हुआ है। स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 प्रतिमाह किया जाए। यात्रा भत्ता नियत यात्रा भत्ते की जगह 1,500 प्रतिमाह मोटरसाइकिल, वाहन भत्ता दिया जाए। विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1,000 प्रतिमाह किया जाए।

1 जून 2017 के परिषदादेश का उल्लंघन करते हुए लेखपालों को भूलेख पटलों से सम्बद्ध रखा गया है, जिससे मूल कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इन्हें अविलंब अवमुक्त करने की मांग की गई है। ग्राम सचिवालयों में अलग कमरे, कंप्यूटर, इंटरनेट, बिजली, पेयजल, सुरक्षा और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। एक लेखपाल के पास 4-5 गांव होने के कारण एक जगह बैठकर काम करने से आय, जाति, निवास व आईजीआरएस जांच जैसे समयबद्ध कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सुविधाएं न मिलने तक लेखपाल रोस्टर का बहिष्कार करेंगे।

नियम विरुद्ध रूट पर चल रहे 180 ई-रिक्शा व ऑटो सीज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए वृंदावन क्षेत्र में नियम विरुद्ध रूट पर चल रहे ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में वाहनों पर कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक यातायात और क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक यातायात मथुरा ने पुलिस टीम के साथ कस्बा वृंदावन में अभियान चलाया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 180 ई-रिक्शा और ऑटो को सीज किया गया, जबकि 425 ई-रिक्शा व ऑटो के चालान किए गए। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 175 वाहनों के खिलाफ भी मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें सख्त निर्देश दिए गए कि वाहन केवल निर्धारित रूट पर ही चलाएं। पुलिस द्वारा पीए सिस्टम के माध्यम से भी चालकों को निर्धारित रूट और नियमों की जानकारी दी गई। प्रशासन का कहना है कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

150 बाल योद्धाओं को मिले सोने-चांदी के पदक

युद्धाग्य इंडियन मार्शल स्पोर्ट्स आर्ट ऑर्गनाइजेशन की प्रतियोगिता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

युद्धाग्य इंडियन मार्शल स्पोटर्स आर्ट ऑर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित आठवीं जिला आत्मरक्षा प्रतियोगिता में 150 योद्धाओं ने अपना कौशल दिखाया। विजेताओं को अतिथियों से सम्मानित किया। एमटीएस सीनियर सैकेंड्री स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता का उदघाटन बीएसए रतन कीर्ति ने किया। उन्होंने नन्हे मुन्नों को अनुशासन में रहकर अपना प्रदर्शन दिखाने का आहवान किया। स्वर्ण पदक विजेताओं में हर्षिका बर्धन सपार्कार, आरना शर्मा, अक्षत श्रीवास्तव, प्रत्यक्ष राघव, उन्नति, गुरूदेव, परी, माधुरी सिंह, भूमि यादव, शुभव खरे , रजत में श्रुतिका श्रीवास्तव,बिहान अग्रवाल, युवान एवं कांस्य पदक में कबीर सिंह, अनमोल, तानिया तोमर एवं युवराज शामिल रहे।

संस्था के संस्थापक ज्ञान प्रकाश, स्कूल के सचिव देवेंद्र कुमार ने पुरस्कार दिए। पदाधिकारी द्वय ने कहा कि ये बच्चे कल देश के योद्धा बनेंगे। इसलिए उन्हें अन्य खेलकूदों में भी हाथ आजमाना चाहिए। शरीर में शक्ति है तो जमाना उनके सामने नतमस्तक होगा।

प्रतियोगिता में अतिथिगण डॉ. वर्षा तिवारी, योगेश यादव, महेन्द्र सिंह राजपूत, अभिषेक सिंह, डॉ. दिनेश चन्द्र, डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, वासुदेव गुंजन उपाध्याय, दीपमाला यादव, तरुण उपाध्याय, ममता कंकणा गौतम आदि का स्वागत किया गया। समारोह में शिवरत्न कुमार, महेन्द्र कुमार तथा लोकेन्द्र कुंतल एवं तेज बहादुर भी उपस्थित रहे।

दिवंगत पत्रकार अरुण के परिजनों को पत्रकारों ने दी आर्थिक सहायता

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व वृंदावन प्रेस क्लब ने की पहल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ एकजुटता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है ये सहयोग: नरेंद्र भारद्वाज

मथुरा जनपद के पत्रकारों ने सराहनीय पहल करते हुए दिवंगत पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध करायी। जिले के दो पत्रकार संगठनों उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन व वृंदावन प्रेस क्लब सहित कुल 68 पत्रकारों ने एकजुट होकर दिवंगत वरिष्ठ पत्रकार अरूण 'अनु' के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उनकी पत्नी को आर्थिक सहायता राशि के रूप में कुल 1,11,556.00 का डिमांड ड्राफ्ट सौंपा। उनके परिजनों को आश्वस्त किया कि भविष्य में जनपद के सभी पत्रकार उनके सुख दुख में हमेशा खड़े रहेंगे। इस अवसर पर दिवंगत पत्रकार अरुण अनु की धर्मपत्नी पुष्पा ठाकुर ने भावुक होते हुए समस्त पत्रकारों का आभार जताया और कहा कि जितना सहयोग मेरे परिजनों को मथुरा के पत्रकारों ने जो सहयोग प्रदान किया है उसके लिए सबको हमारे परिजनों की तरफ से धन्यवाद देती हूँ

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि यह सहयोग राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पत्रकार परिवार की एकजुटता, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी पत्रकार समाज अपने साथियों के सुख-दुख में इसी प्रकार साथ खड़ा रहेगा।

इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार अनु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि पत्रकार समाज हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहेगा। इस दौरान नरेंद्र भारद्वाज जिलाध्यक्ष उ प्र श्रमजीवी पत्रकार यूनियन, वरिष्ठ पत्रकार उमर कुरैशी,अजय शर्मा,परवेज अहमद, अनेक सिंह, संजय गौड़, रमेश चंद, आरती शर्मा, पिंटू, दिनेश भारती, गौरव शर्मा, सुमित गोस्वामी, मोहन मीणा, आर के धनगर, नीरज चतुर्वेदी, रिंकू शर्मा, रवनीत मैसी, राहुल कुमार, ब्रजेश सेन आदि शामिल रहे।

अनुशासन के साथ खुद को आत्मप्रेरित करें: चौधरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ राजकीय महाविद्यालय मथुरा में दीक्षांरभ कार्यक्रम का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय मथुरा में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के लिए शनिवार को दीक्षांरभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इसका शुभारंभ प्राचार्य प्रो. वीके चौधरी ने माँ सरस्वती के चित्र पट पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

बीएससी की छात्रा दीप्ति ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भक्तिमय वातावरण प्रदान किया। कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं सफल संचालन समारोहिका डॉ. शालिनी गुप्ता, प्रभारी जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा किया गया।

अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. वीके चौधरी ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय परिवार में स्वागत करते हुए बताया कि अल्प समय में ही महाविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं छात्र-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्म-प्रेरित होकर लक्ष्य निर्धारित करने, नियमित अध्ययन करने तथा जीवन में अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रवृत्ति समिति, एंटी रैगिंग समिति, अनुशासन समिति सहित महाविद्यालय की विभिन्न समितियों एवं उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी। डॉ. गोविंद चावला, प्रभारी वाणिज्य विभाग एवं परीक्षा, समर्थ पोर्टल, ने विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों एवं विभागों का परिचय, अध्ययन व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली, परिणाम प्रक्रिया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत मल्टीपल एंट्री एवं मल्टीपल एग्जिट, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, मेजर एवं माइनर विषय, को-करिकुलर पाठ्यक्रम, व्यावसायिक एवं कंप्यूटर आधारित कौशल पाठ्यक्रम, क्रेडिट आधारित एवं ग्रेडिंग प्रणाली तथा समर्थ पोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डॉ. गोविंद अग्रवाल प्रभारी समाजशास्त्र विभाग, परीक्षा पद्धति तथा छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। डॉ. अनामिका सक्सेना प्रभारी भूगोल विभाग एवं परीक्षा पद्धति से विद्यार्थियों को परिचित कराया। डॉ. सतीश कुमार, प्रभारी गणित विभाग एवं यू०पी० प्रमाण पोर्टल ने यू०पी० प्रमाण पोर्टल की उपयोगिता एवं छात्र हित में उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी।

डॉ. रविन्द्र सिंह, प्रभारी अर्थशास्त्र विभाग ने महाविद्यालय व अपना परिचय देते हुए एंटी रैगिंग नियमों तथा विद्यार्थियों के अधिकारों एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। कु० सरिता गौतम, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं रोवर्स-रेंजर्स की गतिविधियों, सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, शिविरों तथा सामुदायिक सेवा के महत्व से अवगत कराया तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इन गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में डॉ. तरुण प्रकाश प्रभारी इतिहास विभाग ने खेलकूद गतिविधियों, इतिहास, मुख्य अनुशासन अधिकारी (चीफ प्रॉक्टर) के दायित्वों तथा महाविद्यालय में अनुशासन के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक मोहित बघेल, व समस्त कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशीत छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

थाना जैत में हुई पीस कमेटी की बैठक, कांवड़ यात्रा और त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर जोर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आगामी त्योहारों और पवित्र कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। इसे लेकर थाना जैत परिसर में एक अहम पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता एसडीएम छाता अखिलेश कुमार ने की। इस बैठक में क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिकों, ग्राम प्रधानों, संभ्रांत लोगों ने हिस्सा लिया एसडीएम अखिलेश कुमार ने शासन के दिशा-निदेर्शों से सबको अवगत कराते हुए कांवड़ यात्रियों से अनुशासन और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी तरह की समस्या आने पर तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचना दें, ताकि बिना किसी देरी के मदद पहुंचाई जा सके। थाना प्रभारी सोनू कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था का पूरा प्लान सबके सामने रखा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाएगी और हुड़दंग मचाने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। बैठक का समापन आपसी भाईचारे और सौहार्द के संदेश के साथ हुआ, जहां सभी ने आगामी त्योहारों को उल्लास और शांति के साथ मनाने का संकल्प लिया।

एक जनपद एक उत्त्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के साक्षात्कार कल से

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, मथुरा चन्द्रभान सिंह ने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं दूलकिट योजनान्तर्गत पोर्टल पर ऑनलाइन किये गये विभिन्न ट्रेडों यथा ठाकुरजी पोशाक श्रगांर मूर्ति एवं कंठी माला उत्पाद ट्रेड के साक्षात्कार तीन अगस्त से अगस्त तक तथा स्वच्छता उपकरण (प्लम्बर) का साक्षात्कार पांच अगस्त को स्थान कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, गथुरा में पूर्वान्ह 11 बजे किया जाना प्रस्तावित हैं। अतः ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदित्त अभ्यर्थी अपने समस्त मूल अभिलेखों एवं अन्य प्रपत्रों के साथ उक्तानुसार निधर्धारित तिथि, समय व स्थान पर साक्षात्कार हेतु उपस्थित हों।

केसरी हिंडोले में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए दर्शन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागीश कुमार जी महाराज (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत आज सावन मास के चौथे दिन ठाकुर जी महाराज केसरी हिंडोले में विराजमान हुए। पुष्टिमार्गीय परंपरा में ठाकुर जी को लाड़-लड़ाने के तहत घटा और हिंडोला में विराजमान कराया जाता है। यह क्रम पूरे सावन मास जारी रहेगा। कल भी संध्या समय 5.10 से 5.40 बजे तक ठाकुर जी महाराज गुलाबी हिंडोले में विराजमान होकर अपने भक्तों को दर्शन देंगे।

बस से चोरी हुआ 650 ग्राम सोना पुलिस ने किया बरामद, चार आरोपित गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त वाहन किया बरामद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

थाना हाईवे पुलिस, एसओजी व स्वाट टीम की संयुक्त कार्यवाही में बस में सवार एजेन्ट से सोना चोरी करने वाले अभियुक्त को शत प्रतिशत माल 650 ग्राम सोना व घटना में प्रयुक्त वाहनों सहित गिरफ्तार किया है। रविवार को करीब ढाई बजे बाकलपुर बम्बा थाना हाईवे जनपद मथुरा से थाना हाईवे पर पंजीकृत मामले से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अभिषेक पुत्र ब्रजकिशोर निवासी पुराहरलाल थाना बसोनी जिला आगरा, सन्दीप सिंह पुत्र सतेन्द्र निवासी ग्राम श्यामपुर खुर्द थाना दिमनी जिला मुरेना मध्यप्रदेश, विष्णु सिंह पुत्र ब्रजकिशोर निवासी पुराहरलाल थाना बसोनी जिला आगरा, उपेन्द्र सिंह पुत्र रामअवतार निवासी रतनपुर भूमा थाना बसेडी जिला धोलपुर, राजस्थान को चोरी गये माल 650 ग्राम सोना को बैग सहित शतप्रतिशत बरामद किया। घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल यूपी 80 एचएम 2187 एवं ओरा कार सफेद रंग रजिस्ट्रेशन संख्या आरजे 14 एचटी 0318 सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण उकी गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी कर अभियुक्तगण के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रशान्त कपिल थाना हाईवे, निरीक्षक अपराध विवेक कुमार थाना हाईवे, प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल थाना फरह, प्रभारी एसओजी एसआई सन्दीप कुमार थाना हाईवे, प्रभारी स्वाट एसआई महावीर सिंह थाना हाईवे आदि पुलिसकर्मी थे।

बीएसए की चार छात्राओं को मिलेगें राज्यपाल के हाथों छह स्वर्ण पदक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्व विद्यालय का आज आयोजित होगा दीक्षांत समारोह

डॉ. भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का 92वां दीक्षान्त समारोह तीन अगस्त को विश्वविद्यालय के शिवाजी मण्डपम् सभागार में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के मुख्य आतिथ्य में मनाया जायेगा। राज्यपाल के हाथों बीएसए कॉलेज मथुरा की छात्रा मोहिनी शर्मा को तीन स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगे। मोहिनी शर्मा को एलएलबी तृतीय वर्ष की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु रामेश्वर प्रसाद बागला स्वर्ण पदक, एलएलबी मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु पं. मोतीलाल नेहरू स्वर्ण पदक एवं एलएलबी 2026 की समेकित परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु मो. सैफुल्ला खान स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। महाविद्यालय की एमएड की छात्रा गीता को एमएड सत्र 2023-25 की मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने हेतु विशेष एमएड स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। गीता के द्वारा 1600 में से 1366 अंक प्राप्त कर एमएड परीक्षा में विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया गया। 2024-26 की एमएड प्रथम वर्ष परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की छात्रा अपर्णा गौतम को आगरा विश्वविद्यालय एमएड स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। एमएड 2024-26 में अपर्णा गौतम द्वारा 800 में 697 अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। महाविद्यालय की बीसीए 2026 पाठ्यक्रम की छात्रा गरिमा अग्रवाल द्वारा विश्वविद्यालय के आवासीय इकाई एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित बीसीए पाठ्यक्रम में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया गया। गरिमा अग्रवाल द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय में सर्वाधिक 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किये जिसके लिए उन्हें दीक्षान्त समारोह में श्रीमती सुमन गुप्ता स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं को महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डॉ. ललित मोहन शर्मा, प्रो. एसके राय, डॉ. मधु त्यागी, डॉ. एसके सिंह, डॉ. रवीश शर्मा, डॉ.बीके गोस्वामी, डॉ. वीपी राय, डॉ. चंचल शर्मा, डॉ. संजय सिंह चौहान, नीरेन्द्र कुमार, तरूण पाठक, दीपक यादव, जीके यादव, अनुज कुमार ने बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मैं न सुनुंगी, न मानूंगीं, मैं इसके साथ ही नहीं रहूंगी....

हरी मोहन रावत

■ नव दंपतियों में बढ़ रहे विवाद, महिला थाने में आए दिन आते हैं मामले

■ कई दंपतियों को जैसे-तैसे समझाकर मामला शांत कराते हैं: डेजी पवार

मथुरा। मैं नहीं सुनूंगी, नहीं मानूंगी। मैं अपने घर ही लौटूंगी। ये मुझे पसंद नहीं। मुझे समाज का डर भी नहीं है।

ये वातार्लाप किसी पिक्चर के नहीं बल्कि महिला थाने में हर दिन पहुंचे रहे नवविवाहित महिला एवं पुरुषों के सुनने को मिल रहे हैं। आधुनिकता की चकाचौंध किस तरह युवाओं को प्रभावित कर रही है, इसका नजारा यहां आकर देखा जा सकता है। टीएनएफ टूडे ने शनिवार को महिला थाने के काउंसलिंग सेल में इस तरह के अनेक नव दंपत्तियों से वार्ता करते देखा। हैरान कर देने वाली बातें सुनने को मिलीं।

इस संबंध में महिला थाना प्रभारी डेजी पवार से भी विशेष मुलाकात कर तथ्यों से सरोकार करने का प्रयास किया तो पता चला कि चंद दिनों, माह एवं वर्ष तक के युवा एवं युवती यहां झगड़ते दिख सकते हैं। एक प्रश्न के उत्तर में प्रभारी महिला थाना डेरी पवार ने बताया कि ज्यादातर युवतियां पता नहीं किस संस्कार से परिवरिश पा रहीं हैं। उनके लिए शादी गुड्डा गुड़ियों का खेल जैसा लगता है। दोनों पक्षों को भली भांति समझाने का प्रयास किया जाता है, लेकिन आए दिन परिवारवाद बढ़ते जा रहे हैं। कई बार तो यहां काउंसलिंग के बाद बाहर दोनों पक्षों में झगड़ा भी उन्हीं को शांत कराना पड़ता है। ऐसा क्यों हो रहा है के उत्तर में डेजी ने बताया कि पक्के से तो वह कुछ नहीं बता सकतीं, लेकिन वह भी एक महिला हैं, परिवार उनका भी है, लेकिन शायद एकल परिवारों में रहने की परंपरा और आधुनिक चकाचौंध से ये बच्चे ज्यादा प्रभावित हो गए हैं। कंप्रोमाइज जैसा वर्ड इनकी डिक्शनरी में नहीं है।

थाना प्रभारी डेजी पवार बताती हैं कि सुबह दस बजे से पांच बजे तक इसी तरह के मामलों को निपटाने के बाद जनपद में कहीं भी गश्त कर निगरानी का काम भी बेहतर ढंग से किया जा रहा है। परिवार के साथ तालमेल वाली बात पर हंसते हुए प्रभारी डेजी पवार ने बताया कि अब बच्चों को आदत हो गई है।

उनके पति भी पुलिस में फिरोजाबाद पोस्टेड हैं। समय कम मिलता है, लेकिन वरदी पहनी है तो पहले इसकी चिंता, परिवार बाद में।

मथुरा में आने के बाद एसआई डेजी पवार को महिला थाना का प्रभार 19 जून 2025 को सौंपा गया। वह बताती हैं कि सभी सर्किलों में सेंटर बनाए गए हैं, जिससे कि लोगों काउंसलिंग नजदीक हो सके। जनपद में एंटी रोमियो अभियान में भी यह थाना अपनी सेवाएं निष्ठा के साथ निभा रहा है।

कुसुम वाटिका में मिला युवक का शव, हत्या कर फेंकने की संभावना

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित कुसुम वाटिका कॉलोनी में रविवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना हाईवे प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सभंवत युवक की हत्या कर शव फेंका गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीन कुमार तिवारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। शव की पहचान के लिए सोशल मीडिया पर तस्वीरें प्रसारित की जा रही हैं और आसपास के थानों व पड़ोसी जिलों को भी सूचित किया गया है। सीओ प्रवीन तिवारी ने बताया कि फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल पर फील्ड यूनिट की टीम ने वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी ने यह भी बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

सांसद पप्पू यादव के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत, धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी। बिहार के सांसद पप्पू यादव के खिलाफ संसद परिसर में किए गए कथित विरोध प्रदर्शन को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता सामाजिक कार्यकर्ता रौली यादव ने आरोप लगाया है कि सांसद द्वारा किए गए प्रदर्शन से सनातन धर्म के अनुयायियों और साधु-संत समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

रौली यादव के अनुसार, बीते शुक्रवार को संसद के मकर द्वार पर सांसद पप्पू यादव ने गेरुआ वस्त्र धारण कर कथित रूप से एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने साधु का वेश धारण कर एक चोर की भूमिका निभाई। प्रदर्शन में श्रीराम मंदिर का प्रतीक स्वरूप एक दानपात्र रखा गया तथा उसके समीप 'राम लला विराजमान' की तस्वीर भी रखी गई। शिकायत में यह भी कहा गया है कि प्रदर्शन के दौरान दानपात्र में पैसे डालने और चोरी व झपटमारी के दृश्य प्रदर्शित किए गए, जिससे करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुईं।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि यह प्रदर्शन अयोध्या के राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा घोटाले के मुद्दे पर राजनीतिक विरोध के लिए किया गया था, लेकिन इसकी प्रस्तुति धार्मिक प्रतीकों के अपमान के समान थी। उन्होंने आयोग से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

रौली यादव का कहना है कि धार्मिक प्रतीकों और आस्था से जुड़े विषयों का राजनीतिक विरोध के लिए इस प्रकार उपयोग करना अनुचित है तथा इससे समाज में धार्मिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था पर दिए आवश्यक निर्देश

टीएनएफ टुडे, बेवर/मैनपुरी।

श्रावण मास के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक नगर ने थाना बेवर क्षेत्र के कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा प्रबंधों, यातायात व्यवस्था एवं पुलिस बल की तैनाती का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बनाए रखी जाए।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कांवड़ यात्रियों के निर्बाध आवागमन को ध्यान में रखते हुए रूट डायवर्जन योजना लागू की गई है। साथ ही कांवड़ मार्ग पर बड़े वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और श्रद्धालु सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

उन्होंने कांवड़ मार्ग के प्रमुख प्रवेश (एंट्री) प्वाइंटों का भी निरीक्षण किया, जहां पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यातायात संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें, वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रेलर से टकराई कार, दंपती घायल

टीएनएफ टुडे, करहल (मैनपुरी)।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर के अचानक ब्रेक लगाने से उसमें जा घुसी। हादसे में कार सवार दंपती घायल हो गए, जबकि तीसरा यात्री सुरक्षित बच गया। सूचना पर यूपीडा और डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा।

जानकारी के अनुसार, राम केवल, निवासी गोमती नगर, लखनऊ, अपनी पत्नी मुस्कान और भाई धीरू के साथ शनिवार को नोएडा के परी चौक किसी कार्य से गए थे। रविवार सुबह करीब 11 बजे तीनों कार से लखनऊ लौट रहे थे। दोपहर करीब तीन बजे करहल थाना क्षेत्र के मीठेपुर के पास आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 77.400 पर उनकी कार आगे चल रहे ट्रेलर के अचानक ब्रेक लगाने से अनियंत्रित होकर ट्रेलर के पीछे जा घुसी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे के दोनों एयरबैग खुल गए, जिससे कार सवार तीनों लोग बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बच गए। हादसे में चालक राम केवल और उनकी पत्नी मुस्कान को चोटें आईं, जबकि उनके भाई धीरू सुरक्षित रहे।

सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम और डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा। दुर्घटनाग्रस्त कार ट्रेलर में फंस गई थी, जिसे बाद में क्रेन की सहायता से बाहर निकाला गया।

थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पांडे ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बताया गया है कि घायल राम केवल लखनऊ में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में सहायक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं और पूर्व में मंत्री सुरेश खन्ना के साथ भी लंबे समय तक कार्य कर चुके हैं।

दुखियारी अम्मा बोली - साहब ! हमाये जिंदा पर ही करा दो खेत की पैमाईश

टीएनएफ टुडे, घिरोर।

क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर से कई मामले पैमाईश के आये जिनमें से पुष्पादेवी पत्नी राजेंद्र सिंह निवासी विक्रमपुर ने बताया कि उनके पति एक किसान है जो मजदूरी करके पालन पोषण करते हैं पति अपाहिज है बीमार है उनका इलाज तक करवाने में उनके पास रुपया तक नहीं है उन्हें पट्टा मिला था जिसका प्रार्थना पत्र कई वार समाधान दिवस एवं तहसील दिवस में देने के वावजूद भी पैमाइश नही हुई है लेखपाल से भी कई बार कहा लेकिन बो पैमाइश नहीं कर रहे हैं कुछ दलाल बोलते हैं कि रुपये दे दो तो तब पैमाइश की जाएगी ।तो वहीं वयोवृद्ध यशोदा पत्नी स्व.दरबारी लाल हैं यशोदा एक गरीब महिला है उसके पास एक विस्वा जमीन किसी भी मौजा में नहीं है 2013 में एक पट्टा मिला था लेखपाल से बोला तो उन्होंने भी उनकी बात नहीं सुनी ।उनकी इच्छा है कि उनके जिंदा रहते ही पैमाइस हो जाए जिससे कि भूमि में जो भी अनाज उत्पन्न हो उससे उनके बेटों की जीविका चल सके। कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई है पीड़िता ने खेत की पैमाइश कराने की मांग की है।

मैनपुरी में यातायात पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, 125 वाहनों के चालान

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से रविवार को जनपद मैनपुरी में यातायात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक मैनपुरी के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर/यातायात अरुण कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक यातायात दीपशिखा तथा यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह अपनी टीम के साथ विभिन्न प्रमुख चौराहों और मार्गों पर मौजूद रहे। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने अभियान के दौरान 125 वाहनों का चालान करते हुए ?50,000 का जुमार्ना लगाया। इसके अलावा मोडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न लगे वाहनों के विरुद्ध भी निरोधात्मक कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे उपकरण ध्वनि प्रदूषण बढ़ाने के साथ-साथ आमजन के लिए परेशानी का कारण बनते हैं, इसलिए इनके खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक भी किया गया। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो सके।

संपूर्ण समाधान दिवस में मंडलायुक्त ने योजनाओं के स्टॉलों का किया निरीक्षण, पात्रों को तत्काल लाभ दिलाने के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, हाथरस।

तहसील सासनी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान अलीगढ़ मंडल की मंडलायुक्त संगीता सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उनके आगमन पर पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। मंडलायुक्त ने उद्योग विभाग द्वारा लगाए गए 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना के अंतर्गत हाथरस की प्रसिद्ध रबड़ी के स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि रबड़ी की गुणवत्ता बनाए रखने और उसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए आधुनिक एवं बेहतर पैकेजिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर पहचान मिल सके। उन्होंने समाज कल्याण एवं महिला कल्याण विभाग के वृद्धावस्था, दिव्यांग और निराश्रित महिला पेंशन से संबंधित स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में आने वाले पात्र व्यक्तियों का तत्काल पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर मंडलायुक्त ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा मिलेट्स (श्री अन्न) से तैयार व्यंजनों का अवलोकन किया और उनके पोषण महत्व की सराहना की। उन्होंने कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनकी माताओं को डाइट प्लान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने एक गर्भवती महिला की गोदभराई कर पोषण डलिया भेंट की, शिशुओं का अन्नप्राशन कराया तथा महिलाओं को आयरन की कमी दूर करने के लिए पोषण डलिया और लोहे की कड़ाही वितरित की।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय: जिलास्तरीय खेल ट्रायल जीआईसी मैदान में सम्पन्न

बच्चों में दिखा खेलों के प्रति उत्साह, कई खेलों में दिखाया हुनर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का जिला स्तरीय खेल ट्रायल शनिवार को जीआईसी मैदान पर संपन्न हुए। खेलकूद ट्रायल का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुपम अवस्थी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए श्री अवस्थी ने कहा कि यह ट्रायल आपकी प्रतिभा प्रदर्शन का अवसर है। खेल ,खेल की भावना से खेलें। इसमें हार जीत का कोई महत्व नहीं है बल्कि अपने खेल का बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर है जिससे आपके खेलों का आगे का मार्ग प्रशस्त हो सके। खेलकूद ट्रायल में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सकीट, शीतलपुर, अलीगंज, जैथरा, अवागढ़, जलेसर, निधौली कला, मारहरा की बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। उनमें खेलों के प्रति उत्साह का अतिरिक्त देखते ही बन रहा था।

> खेल खेल की भावना से खेलें, हार जीत का नहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन का करें प्रयास : बीएसए अवस्थी

खेलकूद ट्रायल कबड्डी में प्रीति, दीक्षा, सोनम, गौरी ,मुस्कान, ज्योति, सिमरन, अनुष्का, सलोनी, अंजू, रिशु ,अंजलि चयनित हुई है।जबकि खो खो टीम में पल्लवी, गौरी, खुशी, भावना, अंशु ,रश्मि, प्रीति, कल्पना, राखी, संध्या, वंदना,दीक्षा, शांति, नंदिनी, खुशी, मुस्कान व अंशिका चयनित हुई है। शॉट पुट में प्रीति प्रथम,अंजू द्वितीय, गुंजन तृतीय स्थान पर रही। चक्का फेंक में मोनिका प्रथम, सोनम द्वितीय तथा अंजू तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद में निशा प्रथम, सिमरन द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में शांति प्रथम, रानी द्वितीय और अंशिका तृतीय स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ में दीक्षा ने प्रथम अंजू ने द्वितीय और अंशिका ने त्रतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मी दौड़ में गुंजन प्रथम, सिमरन द्वितीय तथा रश्मि तृतीय स्थान पर रही।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सकीट नेत्रपाल सिंह, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा संजय मिश्रा, जिला समन्वय बालिका शिक्षा राम लखन, जिला व्यायाम शिक्षक पूनम सिंह, भारत वीर वर्मा, राजीव यादव,मनीष दुबे, मोनिका सिंह, अरुण कांत, संतराम, योगेश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, राजेश पांडे, अजीत कुमार,उपेंद्र सिंह, रुचि यादव, मनोज कुमार कोच, राखी सिंह आदि का सराहनीय सहयोग रहा । कार्यक्रम का संचालन संजय शर्मा ने किया। विजयी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एसएसपी ने कांवड़ यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण, सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का लिया जायजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल संपन्न कराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने शनिवार को थाना शिकोहाबाद, जसराना, अरांव और सिरसागंज क्षेत्र के कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और रूट डायवर्जन की तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने कांवड़ मार्ग पर लगाए गए बैरियर, ड्यूटी प्वाइंट और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति व सतर्कता की जांच करते हुए पूरी मुस्तैदी, अनुशासन और समन्वय के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए रूट डायवर्जन योजना का प्रभावी ढंग से पालन कराया जाए तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, लगातार भ्रमणशील रहकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम यात्रा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि कांवड़ यात्रा-2026 शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

सीएमओ ने सीएचसी टूंडला का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं के दिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों के मद्देनजर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) टूंडला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा से संबंधित दवाओं की उपलब्धता की जांच की और राज्य स्तर से जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) एवं एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने एमओआईसी डॉ. सोनू चतुर्वेदी को क्षेत्र का नियमित भ्रमण करने और पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने टीवी रोगियों की पहचान कर उनका उपचार कराने तथा खोजी अभियान चलाकर कुष्ठ रोगियों को चिन्हित कर इलाज सुनिश्चित करने के लिए भी कहा। उन्होंने एनसीडी कार्यक्रम के तहत कैंसर स्क्रीनिंग के लिए विशेष अभियान चलाने तथा गांव-गांव स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए। इन शिविरों में आयुष्मान कार्ड बनाने, टीवी जांच, कैंसर स्क्रीनिंग, कुष्ठ रोग की जांच, हाई ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच कराने पर भी जोर दिया गया। सीएमओ ने यह भी निर्देश दिए कि ओपीडी में आने वाले सभी मरीजों का ओरल हेल्थ चेकअप अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका उपचार किया जा सके।

आगरा में 16 अगस्त से होगा सवा करोड़ लिंगोपरि पार्थिव पूजन एवं श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फिरोजाबाद।

माँ पीताम्बरा के उपासक एवं यज्ञाधीश श्री श्री 1008 स्वामी रामदास महाराज ने पत्रकार वार्ता में बताया कि श्रावण मास के पावन अवसर पर 16 अगस्त से 26 अगस्त 2026 तक प्रेम जी.सी.बी. तिराहा, शास्त्रीपुरम, आगरा में सवा करोड़ लिंगोपरि पार्थिव पूजन एवं श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा।

स्वामी रामदास महाराज ने कहा कि पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन का सनातन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। शास्त्रों में वर्णित है कि श्रद्धा, भक्ति एवं विधि-विधान से निर्मित पार्थिव शिवलिंग का पूजन करने से भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न होते हैं। इससे व्यक्ति के पापों का क्षय होता है, जीवन में सुख, शांति, आरोग्य एवं समृद्धि का आगमन होता है तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

उन्होंने कहा कि श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं लिंगोपरि पूजन का फल कई गुना बढ़ जाता है। भगवान शिव अपने भक्तों की सच्ची भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता और विश्व कल्याण का महायज्ञ है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन सायं 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक श्रद्धालु सवा करोड़ लिंगोपरि पार्थिव पूजन में सहभागिता करेंगे। वहीं श्री शिव महापुराण कथा का दिव्य वाचन आचार्य निशान्त मिश्रा (वृन्दावन वाले) के मुखारविन्द से होगा, जिसमें भगवान शिव के दिव्य चरित्र, शिवभक्ति और सनातन धर्म के गूढ़ रहस्यों का रसपूर्ण वर्णन किया जाएगा।

स्वामी रामदास महाराज ने सभी शिवभक्तों से परिवार सहित आयोजन में सम्मिलित होकर धर्मलाभ एवं पुण्य अर्जित करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी बताया कि इसी परिसर में 12 दिसंबर से 22 दिसंबर 2026 तक 2151 कुंडीय महामृत्युंजय माँ पीताम्बरा महायज्ञ का भी भव्य आयोजन होगा।

गोंडा में 59 जोड़ों का सामूहिक विवाह मुख्यमंत्री

योजना के तहत 4 मुस्लिम जोड़ों का भी निकाह

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

गोंडा में उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गोंडा में एक समारोह आयोजित किया गया। इसमें 59 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के लिए विकासखंड गोंडा, इगलास और खैर की विभिन्न ग्राम पंचायतों तथा नगर पालिका इगलास क्षेत्र से कुल 73 जोड़े पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 59 जोड़े आयोजन स्थल पर पहुंचे।

समारोह में कुल 59 जोड़ों का विवाह विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इनमें 55 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया, जबकि 4 मुस्लिम जोड़ों का निकाह पढ़ा गया। कार्यक्रम का संचालन दिनेश आर्य ने किया और अध्यक्षता सुरेंद्र सिंह ने की।

कार्यक्रम में विकासखंड गोंडा के ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरकार इस योजना के तहत प्रत्येक वर-वधू पर सहायता राशि पूरी पारदर्शिता के साथ खर्च करती है। योजना के तहत, कन्या के बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से 64,000 रुपये की धनराशि सीधे भेजी जाती है। इसके अतिरिक्त, शादी से संबंधित घरेलू और उपहार सामग्री पर 21,000 रुपये तथा विवाह समारोह के आयोजन पर 15,000 रुपये सरकार द्वारा व्यय किए जाते हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे जोड़ों का विवरण इस प्रकार हैरू गोंडा से 27 जोड़े, इगलास (नगर पंचायत) से 5 जोड़े, खैर से 9 जोड़े और इगलास (ग्रामीण क्षेत्र) से 18 जोड़े शामिल हुए। इस अवसर पर बीडीओ गोंडा/खैर आदिल फैज, बीडीओ इगलास चौतन्य पाठक, एडीओ समाज कल्याण बबलू कुमार, नायब तहसीलदार इगलास बीरेंद्र कुमार, राजस्व निरीक्षक राजेंद्र कुमार और एडीओ पंचायत अवधेश तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही, गोंडा और खैर के समस्त पंचायत सचिव तथा अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे।

सड़क के गड्ढे बने जानलेवा, बचाने के प्रयास में आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें

चार लोग गंभीर रूप से घायल-तीन घायलों को किया रेफर

- दिल्ली से घर लौट रहा युवक भी हादसे का शिकार, एक बाइक पर सवार थे तीन लोग
- सीएचसी अलीगंज में प्राथमिक उपचार के बाद तीन की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर भेजा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगंज (एटा)।

जैथरा थाना क्षेत्र के मोर्चा के पास अलीगंज एटा मार्ग पर रविवार की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। गड्ढा बचाने के प्रयास में दो बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। हादसे में दोनों पक्षों के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अलीगंज में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार प्रथम पक्ष के घायल अनुराग पुत्र रामवीर, निवासी जसूपुर, थाना राजेपुर, जनपद फरुर्खाबाद हैं। अनुराग दिल्ली से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जैथरा क्षेत्र में उनकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई।

दूसरे पक्ष में नेम सिंह (50) पुत्र पुत्तूलाल, निवासी दौदगंज, थाना अलीगंज, अपने पुत्र रजनेश (22) तथा पुत्री सुमन (19) के साथ अलीगंज से जैथरा के कल्याणपुरा की ओर जा रहे थे। दुर्घटना में तीनों घायल हो गए। सीएचसी अलीगंज में उपचार के बाद अनुराग, नेम सिंह और सुमन की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि रजनेश का उपचार सीएचसी पर किया गया।

सीएचसी अलीगंज के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सर्वेश कुमार ने बताया कि एंबुलेंस की सहायता से चारों घायलों को अस्पताल लाया गया था। चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। जांच में तीन घायलों की हालत गंभीर मिलने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर भेज दिया गया।

मामले में जैथरा थानाध्यक्ष सुनील वर्मा ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर सड़क में काफी गहरे गड्ढे हैं। गड्ढा बचाने के प्रयास में दोनों बाइकें आपस में टकरा गईं। एक बाइक पर तीन लोग सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर केवल एक व्यक्ति सवार था। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद करते हुए पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे की प्रमुख वजह सड़क पर बने गहरे गड्ढे सामने आए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कैंटर की टक्कर से घायल कांवड़िये की सैफई में मौत

- सड़क हादसे में सात लोग हुए गंभीर रूप से घायल
- सैफई अस्पताल में उपचार के दौरान हुई मौत

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जनपद के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में कासगंज रोड स्थित नेशनल हाईवे पर बीती देर रात कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को तेज रफ्तार कैंटर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर सवार सात कांवड़िये गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से एटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां एक कांवड़िये की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिसकी सैफई मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार हादसा बीती रात करीब 11:30 बजे कासगंज रोड स्थित नेशनल हाईवे पर हुआ। जिसमें थाना कुरावली क्षेत्र के ग्राम किशनपुर निवासी कांवड़िये ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार होकर कछला-सोरों से कांवड़ के लिए गंगाजल लेने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार कैंटर ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार कांवड़ियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में सात कांवड़िये घायल हुए थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को एटा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। घायलों में सत्यपाल (50) पुत्र बदले सिंह की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर किया था। उपचार के दौरान सत्यपाल ने दम तोड़ दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ इलामारन ने बताया कि मृतक सत्यपाल ग्राम किशनपुर, थाना कुरावली, जनपद मैनपुरी के निवासी थे। हादसे में उनकी 15 वर्षीय पुत्री रागिनी भी घायल हुई है। अन्य घायलों का उपचार जारी है उन्होने बताया हाइवे पर ट्रैक्टर खराब हो गया पीछे से कैंटर ने टक्कर मार दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है दुर्घटना के बाद कैंटर चालक के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा सहित विभिन्न योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि 5 तक बढ़ी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

सहायक निदेशक मत्स्य प्रकाश चंद्र ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 05 अगस्त 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित थी।

उन्होंने बताया कि जनसामान्य की सुविधा एवं अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से विभागीय पोर्टल पर आवेदन की अवधि बढ़ाई गई है। इच्छुक लाभार्थी विभागीय पोर्टल http://nisheries.up.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जिन योजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, उनमें मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आईसबॉक्स परियोजना एवं माता सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना, अंतर्देशीय खारे जल क्षेत्रों में नए तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना शामिल हैं।

सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजनाओं का विस्तृत विवरण, पात्रता, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक अभिलेखों की जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व वर्षों में निरस्त अथवा प्रतीक्षारत आवेदक भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी सहायक निदेशक मत्स्य कार्यालय, द्वितीय तल, विकास भवन, एटा अथवा मोबाइल नंबर 9758590909 पर संपर्क कर सकते हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग योजनाः कम्प्यूटर प्रशिक्षण को 03 अगस्त को होगा साक्षात्कार

एटा। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, एटा श्रीमती अर्चना कुमारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में निदेशालय उद्योग, उत्तर प्रदेश, कानपुर द्वारा संचालित अन्य पिछड़ा वर्ग योजना के अंतर्गत 37 युवक-युवतियों को स्वरोजगार के उद्देश्य से कम्प्यूटर ट्रेड में चार माह का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण हेतु आवेदन करने वाले समस्त अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। साक्षात्कार दिनांक 03 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे से कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, कासगंज रोड, एटा में आयोजित होगा। उपायुक्त उद्योग ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल अभिलेखों के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करने की अपील की है। साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के दावों पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

72 घंटे में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, फतेहपुर पुलिस ने 5 आरोपियों को दबोचा

रिपोर्ट अंकित मिश्रा के साथ अजय श्रीवास्तव

- एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में कोतवाली नगर पुलिस की बड़ी सफलता, हत्या में प्रयुक्त तमंचे, बाइक और मोबाइल बरामद

फतेहपुर। फतेहपुर पुलिस ने कोतवाली नगर क्षेत्र में हुए चर्चित हत्या कांड का 48 घंटे के भीतर सफल खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार वैज्ञानिक विवेचना, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, तकनीकी साक्ष्यों और पुलिस नेटवर्किंग के आधार पर हत्या की साजिश का पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन तथा नकदी भी बरामद की है। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

जनपद फतेहपुर की कोतवाली नगर पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार 29 जुलाई 2026 को बकंधा भट्ठा-भैरमपुर मार्ग पर मिले शव के मामले में दर्ज मुकदमे की जांच के दौरान हत्या की पूरी साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस ने घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का पाया गया। विवेचना के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीडीआर विश्लेषण, पुलिस नेटवर्क और मुखबिर तंत्र के माध्यम से घटना में शामिल आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक मृतक लक्ष्मी उर्फ रामप्रकाश और आरोपियों के बीच प्लॉट तथा आर्थिक लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चल्ते कथित रूप से षड्यंत्र रचकर मृतक को घर से बुलाया गया। इसके बाद उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर शराब पिलाई गई और अवैध तमंचे से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने का भी प्रयास किया।

गिरफ्तार आरोपियों में शिवा लोधी, ईशू लोधी, अनिल कुमार, मीना तथा श्यामा शामिल हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा 1310 नकद बरामद किए हैं। एक अन्य आरोपी अक्षय उर्फ कृष्ण कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पुलिस के अनुसार जांच के दौरान हत्या के मुकदमे में बीएनएस की धारा 61(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 की भी बढ़ोतरी की गई है।

तकनीकी जांच और पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस पूरे प्रकरण में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी नगर गौरव शर्मा के नेतृत्व तथा प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्रा की निगरानी में कोतवाली नगर पुलिस, सर्विलांस टीम और तकनीकी जांच टीम ने समन्वित कार्रवाई करते हुए कम समय में घटना का खुलासा किया। पुलिस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, तकनीकी विश्लेषण और साक्ष्य संकलन के माध्यम से आरोपियों तक पहुंचना आधुनिक पुलिसिंग का प्रभावी उदाहरण माना जा रहा है।

हालांकि, किसी भी पुलिस कार्रवाई का अंतिम परीक्षण न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने को पेड़ों की महती आवश्यकता

- रोटरी क्लब ऑफ कासगंज सिटी ने किया पौधा रोपण
- पौधों के पोषण का लिया संकल्प

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

रोटरी क्लब ऑफ कासगंज सिटी द्वारा रविवार को रो. गोपाल महेश्वरी के फार्म हाउस, गोरहा बाईपास पर एक भव्य एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के 22 रोटेरियन साथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया।

इस अवसर पर गुड़हल, आम, अमरूद, जामुन, नींबू, आंवला, बेल, अशोक, कदंब तथा अन्य उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सदस्यों ने इन पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष रो. वैभव बिड़ला, सचिव रो. आशीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रो. विनय अग्रवाल, जॉइंट सेक्रेटरी रो. सचिन बिड़ला सहित रो. सुबोध अग्रवाल, रो. संजीव मराठा, रो. अनूप सिंघल, रो. अंकुर अग्रवाल, रो. विकास आनंद गुप्ता, रो. सिद्धार्थ चौधरी, रो. सौरव अग्रवाल, रो. अनूप गुप्ता, रो. संदीप गुप्ता (इंश्योरेंस), रो.मुकेश शर्मा, रो. संभव जैन, रो. मनोज महेश्वरी, रो. मनीष अग्रवाल, रो. नवीन अग्रवाल, रो. प्रमेश गौतम एवं रो. प्रदीप शंकर अग्रवाल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की विशेष गरिमा उस समय और बढ़ गई जब अलीगढ़ से रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3110 के असिस्टेंट गवर्नर रो. अमन गुप्ता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए सभी सदस्यों का उत्साहवर्धन किया। वृक्षारोपण के उपरांत फार्म हाउस में भ्रमण के दौरान सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के उच्च गुणवत्ता वाले फलदार एवं सजावटी पौधों का अवलोकन किया तथा उनके रखरखाव एवं आधुनिक बागवानी तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन पर पूरे आयोजन में सेवा, पर्यावरण संरक्षण, मित्रता एवं रोटरी परिवार की एकजुटता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

अध्यक्ष रो. वैभव बिड़ला ने सभी उपस्थित रोटेरियन साथियों, असिस्टेंट गवर्नर रो. अमन गुप्ता तथा मेजबान रो. गोपाल महेश्वरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सेवा प्रकल्प समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ रोटरी परिवार के आपसी स्नेह एवं एकता को भी सुदृढ़ करते हैं।

एएमयू में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगढ़।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम हुआ। कैनेडी ऑडिटोरियम में हुए कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली। साथ ही प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा और सुना।

कार्यक्रम में एएमयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवाओं का नशामुक्त होना बेहद जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया।

प्रो. मोहसिन खान ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसलिए शिक्षण संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर नशामुक्त वातावरण बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त भारत अभियान का समर्थन करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान को केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आंदोलन बताया। छात्रों ने स्वयं नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं से नशे के खिलाफ जनजागरूकता बढ़ाने की अपील की गई।

राकेश मोहता बने पश्चिमी उप्र माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष

आपसी सहमति से हुआ चुनाव, बनाए गए पदाधिकारी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

शहर के एक होटल में रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महासभा का निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुआ। सर्व सम्मति से राकेश मोहता को अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया, नवनीत माहेश्वरी संगठन मंत्री बनाए गए नये पदाधिकारियों स्वागत किया गया। समाज की एकजुटता और मजबूती को लेकर काम करने का संकल्प लिया गया।

मुख्य चुनाव अधिकारी राजेंद्र माहेश्वरी सहायक चुनाव अधिकारी अजय माहेश्वरी, ने पर्यवेक्षक शेष चंद्र करवा की देख रेख में चुनाव प्रक्रिया शुरू कराई। सर्वसम्मति से कार्यकारणी के गठन पर सहमति बनी सदन में बनी सहमति के आधार पर नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी ने नव गठित प्रदेश कार्यकारिणी से समाज की एकता और मजबूती के लिए कार्य करने का आवाह्न किया। कासगंज माहेश्वरी महा सभा के जिला अध्यक्ष सुरेश माहेश्वरी, अरविंद माहेश्वरी ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया। प्रदेश के अन्य जनपद से आए समाज बन्धुओं ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया, अतिथियों एवं चुनाव अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। प्रदेश अध्यक्ष बने राकेश मोहता ने कहा कि सभी को साथ लेकर समाज के कल्याण के लिए कार्य किया जाएगा। अखिल भारतीय महासभा द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ समाज के लोगों तक पहुंचने का काम किया जाएगा। यह रहे मौजूद

यह बनाए गए पदाधिकारी

राकेश मोहता अध्यक्ष, महेश चंद माहेश्वरी मंत्री, राजकुमार जखेटिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राकुमार सदानी, कमलेंद्र माहेश्वरी उपाध्यक्ष, आखिल डागा कोषाध्यक्ष, नवनीत माहेश्वरी संगठन मंत्री, मुकेश माहेश्वरी प्रचार मंत्री, रुचिन शारदा, अभिषेक राठी, शिव कुमार महेश्वरी को सह मंत्री बनाया गया।

गोपाल माहेश्वरी, संजीव पलटानी, सुरेश महेश्वरी, अरविंद कावरा, किशन शास्त्री, अनिल माहेश्वरी, संजीव माहेश्वरी, संजय माहेश्वरी, प्रमोद माहेश्वरी, मनोज भूतड़ा, गिर्राज किशोर, नितिन महेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, विकाश माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, राजेंद्र बोहरे, विजय माहेश्वरी, रघुवंश राठी, महेंद्र पाल चंडाक, अनुराग महेश्वरी, गौरव महेश्वरी, संदीप माहेश्वरी, गजेंद्र माहेश्वरी , सुमित महेश्वरी संदीप माहेश्वरी सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सभी जिलों से आए माहेश्वरी समाज के लोग मौजूद रहे।

एसएसपी ने थानों के प्रभारी चौकी प्रभारी बदले

अलीगढ़। रविवार देर रात पुलिस में रविवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से कई निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदलते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। जारी आदेश के मुताबिक, साइबर सेल प्रभारी रहे पंकज कुमार मिश्रा को अकराबाद थाने का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं, अकराबाद के प्रभारी रहे विनोद कुमार अब दादों थाने की कमान संभालेंगे। दादों थाना प्रभारी रणजीत चौधरी का गैर जनपद स्थानांतरण होने के कारण उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया है। महिला उपनिरीक्षक ज्योति श्रीवास्तव, जो अब तक गंगीरी थाने की थानाध्यक्ष थीं, उन्हें एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) थाने का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, छर्रा थाना क्षेत्र की कस्बा चौकी के प्रभारी विनोद कुमार को गंगीरी थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एसएसपी नीरज कुमार जादौन ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, कानून व्यवस्था को मजबूत रखना और जनता की शिकायतों का समय पर समाधान पुलिस की पहली प्राथमिकता होगी। पुलिस विभाग के इस फेरबदल को जिले की पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। अब नए थाना प्रभारियों के सामने अपराध नियंत्रण, बेहतर पुलिसिंग और जनता का भरोसा मजबूत करने की जिम्मेदारी होगी।

कांवड़ यात्रा मार्ग का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

हाथरस। श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने शनिवार को अलीगढ़-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने सड़क किनारे लगाए जा रहे सैंडबैग्स को सफेद लाइन से कम से कम तीन फीट की दूरी पर लगाने तथा स्पष्ट संकेतक स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि कांवड़ यात्रियों का आवागमन निर्धारित लेन से ही हो सके। साथ ही प्रमुख स्थानों पर चेक प्वाइंट स्थापित करने और भारी वाहनों के डायवर्जन को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में केवल खाद्यान्न एवं उर्वरक आपूर्ति से जुड़े आवश्यक भारी वाहनों को ही अनुमति दी जा रही है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा 'अतिथि देवो भव:' की भावना के साथ कांवड़ श्रद्धालुओं का स्वागत करने की अपील की। वहीं श्रद्धालुओं से निर्धारित लेन का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0: रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ने का सुनहरा अवसर

एटा। जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन डॉ. मो. आसिफ ने बताया कि मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में जनपद एटा में 03 अगस्त 2026 से 10 अगस्त 2026 तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कासगंज रोड, एटा में दिव्यांगजन रोजगार अभियान 3.0 का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। अभियान में जनपद के 10वीं, 12वीं, स्नातक, डिप्लोमा उत्तीर्ण तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना एवं राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से प्रशिक्षित दिव्यांगजन अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। अन्य इच्छुक अभ्यर्थी भी अभियान का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. मो. आसिफ ने जनपद के सभी पात्र दिव्यांगजन अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित अवधि में अधिक से अधिक संख्या में अभियान में प्रतिभाग करें तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं।

निस्वार्थ सेवा संस्थान के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 80 मरीजों ने उठाया लाभ

हाथरस। निस्वार्थ सेवा संस्थान के तत्वावधान में शनिवार को अंगूरी देवी रतन सिंह स्वर्णकार आर.डी. हॉस्पिटल, हाथरस में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भगवान श्रीरामचंद्र जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके उपरांत संस्थापक विष्णु अग्रवाल ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. अनुभव राकेश सोनी ने अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, श्वास संबंधी रोग, पेट एवं पाचन संबंधी समस्याएं, किडनी रोग सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा उन्हें निःशुल्क चिकित्सीय परामर्श दिया। साथ ही आवश्यक जांच कराने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह भी दी। शिविर में लगभग 80 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सीय परामर्श का लाभ उठाया। इस दौरान ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच निःशुल्क की गई, जबकि ईसीजी मात्र 100 रुपये में तथा अन्य रक्त जांचों पर 50 प्रतिशत की विशेष छूट उपलब्ध कराई गई। मरीजों ने निस्वार्थ सेवा संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी और सराहनीय बताया। संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने बताया कि संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संस्था समय-समय पर स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्तदान, गौसेवा एवं अन्य सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रहती है तथा भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

सड़क पर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से टकराया कैंटर , 5 लोग घायल , 1 ने तोड़ा उपचार के दौरान दम , पुलिस ने कराया मेडिकल कॉलेज में भर्ती

एटा। एसपी सिटी श्वेताभ पांडे ने बताया कि गत शनिवार को थाना कोतवाली देहात पर देर रात्रि सूचना प्राप्त हुई कि कानपुर - अलीगढ़ हाईवे(जीटी रोड) पर नगला मदिया के पास कुरावाली, मैनपुरी की तरफ से आ रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली, जिसमें कुछ लोग सवार थे, उसका एक्सेल टूटने पर उसका अगला पहिया निकल गया था । पहिया निकलने के कारण ट्रैक्टर अनियंत्रित हो जाने से पीछे से आ रही कैंटर से ट्रैक्टर ट्रॉली टकरा गई। जिसके चलते ट्रैक्टर- ट्रॉली में सवार 06 लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को उपचार हेतु चिकित्सालय भिजवाया गया है। जहां से तीन लोगों में मुस्कान पुत्री राजू , संध्या पुत्री ललित , निशा पुत्री बृजेश को उपचार के बाद घर भेज दिया है। सत्यपाल पुत्र मुखिया को उच्च उपचार हेतु हाइयर सेंटर रेफर किया गया था जहां उसकी मृत्यु हो गई है। अन्य दो मे गीतम एवं रघुवीर उपचाराधीन हैं। सभी लोग ग्राम किशनपुर थाना कुरावली जनपद मैनपुरी के रहने वाले हैं। यातायात सुचारू रूप से चालू है। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यावाही की जा रही है। मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य है।

एक पत्नी होते हुए दूसरी से की शादी, दोनों पहुंच गईं थाने, किया हंगामा

अलीगढ़। अलीगढ़ के कस्बा इगलास में एक व्यक्ति ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी कर ली। अब उसने दूसरी पत्नी को भी घर से निकाल दिया और पहली पत्नी का कोर्ट में विवाद भी विचाराधीन है। जब दोनों पत्नियां को जानकारी हुई तो शनिवार को दोनों कोतवाली पहुंच गई और दोनों ने जमकर हंगामा किया। पहली पत्नी का आरोप है कि उसकी शादी इसी साल हुई थी। पति ने दहेज की मांग करते हुए उसे घर से निकाल दिया था। घरेलू हिंसा का मामला हाथरस कोर्ट में चल रहा है। पति ने दूसरी शादी कर ली है। इसकी जानकारी उसे दूसरी पत्नी से हुई। वहीं दूसरी पत्नी ने भी कोतवाली पहुंचकर अपना प्रार्थना पत्र दिया। उसने आरोप लगाया है कि पहले से शादीशुदा होने की जानकारी छिपाकर युवक ने उससे चार माह पहले शादी की थी। उसको जब पति की पहली शादी की जानकारी हुई तो विरोध करने लगी। तभी से ससुरालीजन परेशान करने लगे हैं। दोनों ने पति पर कार्रवाई की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिए हैं।

देशी शराब के ठेके का अनुज्ञापी, बच्चे से बिकबा रहा ठेके पर शराब

अलीगढ़। सरकार एक ओर नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान चला रही, वहीं आबकारी विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से अलीगढ़ में इस अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। युवाओं को तो नशा मुक्त करने के लिए योजनाऐ बनायीं जा रही है, वहीं शराब के ठेकों पर नाबालिग बच्चों से शराब बिकबाई जा रही है। यह नजारा गांधीपार्क क्षेत्र में पला फाटक स्थित एक देशी शराब ठेके पर एक बच्चा खुले आम शराब बेचता देखा जा रहा है। इस देशी शराब के ठेके का अनुज्ञापी त्रिभुवन सिंह खुले आम एक नाबालिग बच्चे से ठेके पर शराब बिकता है। इसके लिए अकेले अनुज्ञापी त्रिभुवन सिंह और आबकारी विभ्राग के आलाधिकारी ही दौषी नहीं, बच्चे के परिवारीजन के लोग भी उससे कहीं अधिक दोषी है।

मणिपुर में 9 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और 6 आईईडी बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी साझा की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में थोउबल, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया। पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक से जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण और जबरदस्ती चंदा वसूलना शामिल है। उग्रवादी संगठन रंगदारी के लिए अक्सर चंदा शब्द का इस्तेमाल करते हैं।सुरक्षाकर्मियों ने पकड़े गए उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, कैश, प्रतिबंधित संगठनों की मुहरें और लेटरहेड, बाओफेंग कम्युनिकेशन हैंडसेट और कई अन्य चीजें बरामद की। एक और संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाने के तहत आने वाले एक जंगल इलाके से हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। इस इलाके की सीमा म्यांमार से लगती है और यहां कोई बाड़ नहीं लगी है। बरामद चीजों में एक 9 एमएम की पिस्टल, एक डबल-बैरल बंदूक, छह रेडियो सेट, दो हैंड ग्रेनेड और छह शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) शामिल हैं।

अखिलेश का बड़ा आरोप

बीते दस वर्षों में बंद हुए हैं प्रदेश के 26 हजार से ज्यादा स्कूल

एजेंसी, लखनऊ।

सपा विधानमंडल दल की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से 10 साल में 26386 स्कूल बंद हो गये। प्राथमिक स्कूलों में छात्रों की संख्या घट गयी है। प्रदेश में कुल 28 लाख छात्रों का नामांकन घटा है। उसमें से 25 लाख बच्चे पिछड़े और दलित समाज के है। इनमें 16 लाख बेटियां है। इसी तरह सरकारी शिक्षकों की संख्या 62 हजार घट गयी है। कक्षा एक से आठ तक शिक्षकों के स्वीकृत पद 1 लाख 40 हजार कम हो गये है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि सबसे ज्यादा लखीमपुर खीरी में 758 प्राइमरी स्कूल मर्जर और बंद हुए है। सीतापुर में 650, प्रयागराज में 638, गोरखपुर में लगभग पांच सौ स्कूल बंद हुए हैं। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में 2017 में 1 लाख 13 हजार 938 प्राइमरी स्कूल थे। भाजपा सरकार में इनकी संख्या लगातार घटती जा रही है। भाजपा ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा को भी मालूम है कि वो फिर कभी सरकार में वापस नहीं आएंगे, इसीलिए विधानसभा को महत्व नहीं दे रहे हैं बस सत्र आयोजित करने की औपचारिकता निभा रहे हैं। भाजपा की चला-चली की बेला का मानसून सत्र भी चला-चली टाइप का सत्र है। अब भाजपा जाएगी, फिर कभी न आएगी।

चार दिन की सरकार बची है इसलिए चार दिन का सदन

चार दिन के मानसून सत्र बुलाने पर चुटकी लेते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि चार दिन की सरकार बची है, इसीलिए विधानमंडल का सत्र भी चार दिन का ही हो रहा है। पहला दिन भाजपा सरकार श्रद्धांजलि देने में निकाल देगी। दूसरा दिन अयोध्या के प्रभु रामजी के मंदिर में हुई सुनियोजित चोरी के महापाप की जिम्मेदारी अपने ऊपर से हटाकर केंद्र सरकार पर डालकर अपना पल्ला झाड़ने में निकाल देगी। तीसरा दिन प्रयागराज जैसे पूरे प्रदेश में हुए छात्र आंदोलन से बचने में निकाल देगी। चौथा दिन दुखी मां के सरेआम अपमान पर मुंह छिपाकर जल्दी से सत्र खत्म करने की घोषणा करने में निकाल देगी।

भाजपा यूपी के लिए संकट, सत्ता से हटेगी तभी होगा समाधान

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए सबसे बड़ा संकट भाजपा सरकार है। प्रदेश की समस्याओं का समाधान तभी होगा, जब भाजपा सत्ता से बाहर होगी। रविवार को सपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में अखिलेश ने ये आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों, नौजवानों और बेटियों के साथ अन्याय किया है। आंदोलनकारी छात्रों से किए गए वादे भी तोड़ दिए गए हैं। सरकार ने भरोसा दिया था कि छात्रों पर मुकदमे नहीं होंगे, पर अब उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। अखिलेश ने पूछा कि जब सरकार वादे से मुकर जाए तो जनता किस पर भरोसा करे। उन्होंने कहा कि एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का दावा करने वाली सरकार पहले सरकारी स्कूलों में बिजली-पानी दे। भाजपा पर 2017 के बाद भूमाफियाओं को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया। सरकारी तालाबों और जमीनों पर कब्जा कराने की बात भी कही।

फतेहपुर में पानी और पंखों की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वाले बच्चों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मांग मान लेने के बाद भी बच्चों और उनके परिवारों को परेशान किया जा रहा है। अखिलेश ने एलान किया कि समाजवादी पार्टी के विधायक पीड़ित परिवारों से मिलेंगे। विधायक उन्हें हरसंभव मदद देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है।

एक्सप्रेसवे और चढ़ावा चोरी को लेकर बोला हमला

अखिलेश ने कहा कि एक्सप्रेसवे निर्माण और सड़क परियोजनाओं में भ्रष्टाचार हुआ। लखनऊ-कानपुर सड़क उद्घाटन के बाद धंस गई, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे भी टूट गया। अखिलेश ने अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक कराने वाले लोग भाजपा सरकार में बैठे हैं। कलाकारों के सम्मान पर अखिलेश ने कहा कि सपा सरकार बनने पर कला-संस्कृति में योगदान देने वालों को फिर सम्मानित किया जाएगा।

5 अगस्त को कॉकरोच जनता पार्टी की अहम बैठक, आगे की रणनीति पर होगा फैसला; बड़ा एलान संभव

एजेंसी, छत्रपति संभाजीनगर

नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में आंदोलन चलाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की कोर कमेटी की अहम बैठक 5 अगस्त को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में होगी। बैठक में संगठन की आगे की रणनीति और भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आवास पर आयोजित होगी। इसमें आंदोलन से जुड़े प्रमुख सदस्य हिस्सा लेंगे और पिछले आंदोलन के अनुभवों के साथ आगे की कार्ययोजना पर विचार करेंगे।

कार्यकर्ताओं से मांगे गए सुझाव

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले महीने चले करीब एक महीने लंबे आंदोलन के बाद संगठन ने अपने कार्यकताओं और स्वयंसेवकों से कुछ समय परिवार के साथ बिताने को कहा था। साथ ही उन्हें छात्रों और स्वयंसेवकों से बातचीत कर उनके सुझाव जुटाने और 5 अगस्त की बैठक में उन्हें साझा करने के लिए कहा गया है। ये बैठक खत्म होने के बाद सीजेपी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसमें संगठन अपनी आगामी रणनीति और आगे होने वाले आंदोलनों या कार्यक्रमों की घोषणा कर सकता है।

फ्रेंडशिप डे पर बच्चों से मिले दीपके

इस बीच, सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने छत्रपति संभाजीनगर में अपने आवास पर छात्रों, स्थानीय लोगों और आसपास के जिलों से आए आगंतुकों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों के साथ फ्रेंडशिप डे भी मनाया।

दिग्गज पर्वतारोही निर्मल पुरजा का शव किया गया बरामद

काठमांडू। दुनिया की 12वीं सबसे ऊंची चोटी ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। 30 जुलाई, 2026 को 6,600 मीटर की ऊंचाई पर कैंप-2 से कैंप-3 के रास्ते में एक भयानक हिमस्खलन आया। इस बर्फीले तूफान की चपेट में आने से अभियान में शामिल सभी पर्वतारोहियों की दर्दनाक मौत हो गई। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस दुखद घटना की पुष्टि की है। अब तक दो नेपाली पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। बाकी लापता सदस्यों की तलाश जारी है। इससे पहले चार पर्वतारोहियों के शव मिलने की खबर आई थी।

पाकिस्तान में शांति रैली के दौरान आत्मघाती हमला; 14 की मौत, 12 से ज्यादा घायल

एजेंसी, पेशावर

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में रविवार को एक शांति रैली के दौरान हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई, इसमें पांच सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। इस धमाके में 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, धमाके के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जिला प्रशासन के अनुसार, यह विस्फोट स्वात जिले के कबाल कस्बे में उस समय हुआ, जब स्वात पीस रैली निकाली जा रही थी। रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे, जो क्षेत्र में शांति बहाल करने और बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

आत्मघाती हमला होने की आशंका

स्वात पुलिस ने शुरूआती जानकारी के आधार पर बताया कि विस्फोट में कम से कम 14 लोगों की मौत हुई है और 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सूत्रों का कहना है कि धमाका आत्मघाती हमला हो सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। जांच एजेंसियां घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा के बाद सुधरे हालात, कई इलाकों से हटा कर्फ्यू; शांति बहाली के लिए समझौता

एजेंसी, काठमांडू।

नेपाल के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार को देखते हुए प्रशासन ने मधेश और कोशी प्रांत के कई इलाकों में लगाया गया कर्फ्यू हटा दिया है। हालांकि संवेदनशील क्षेत्रों में अभी भी निषेधाज्ञा (धारा 163 के तहत प्रतिबंध) लागू रहेगी और सुरक्षा बल तैनात रहेंगे।

कैसे शुरू हुआ था विवाद?

यह हिंसा 26 जुलाई को भारत से सटे सुनसरी जिले में शुरू हुई थी। यहां दो अलग-अलग समुदाय अपने-अपने कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इस दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। बाद में हिंसा आसपास के जिलों तक फैल गई। इस हिंसा में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें दो लोगों की सुनसरी जिले और एक व्यक्ति की सिराहा जिले में जान गई।

कई जिलों में हटाया गया कर्फ्यू

प्रशासन के अनुसार, सप्तरी जिले के अधिकांश हिस्सों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। अब केवल राजबिराज नगर पालिका समेत दो इलाकों में निषेधाज्ञा लागू है।

धनुषा जिले में भी शनिवार से कर्फ्यू समाप्त कर दिया गया है। हालांकि कुछ संवेदनशील स्थानों पर एहतियात के तौर पर प्रतिबंध जारी हैं।

पर्सा जिले के बीरगंज महानगर के कुछ हिस्सों में रात के समय प्रतिबंध लागू रहेगा। शाम 5 बजे से सुबह 6 बजे तक चार से अधिक लोगों के एकत्र होने और सार्वजनिक सभाओं पर रोक है।

वहीं सिराहा जिले के कई इलाकों से कर्फ्यू पूरी तरह हटा लिया गया है, जबकि कुछ क्षेत्रों में इसमें ढील दी गई है।

शांति और भाईचारे के लिए निकाली गईं रैलियां

हिंसा के बाद मधेश प्रांत के कई शहरों में शांति रैलियां आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य विभिन्न समुदायों के बीच धार्मिक सौहार्द, एकता और भाईचारा बनाए रखना है।

सरकार और धार्मिक संगठन के बीच समझौता

इस बीच, नेपाल के गृह मंत्री सुधन गुरूंग की पहल पर जनकपुरधाम (धनुषा) में सरकार और एक धार्मिक संगठन के बीच 13 सूत्रीय समझौता हुआ है। इस समझौते का मकसद क्षेत्र में शांति बनाए रखना, सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना और प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन को समाप्त करना है। प्रशासन का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी ताकि किसी भी तरह की नई हिंसा को रोका जा सके।

पश्चिम एशिया तनावः होर्मुज स्ट्रेट पर तनाव जारी

ईरान ने समझौते की खबरों को किया खारिज

एजेंसी, तेहरान।

ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री सैयद माजिद इब्न अल-रजा ने रविवार को कहा कि तेहरान अपने हर 'दुश्मन' की धमकी को गंभीर और वास्तविक मानता है। उन्होंने इन खतरों को सिर्फ मनोवैज्ञानिक दबाव या डराने की रणनीति मानने से इनकार किया।

अल-रेजा नकारा ट्रंप का दावा

अल-रेजा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, "हम न तो हैरान हैं और न ही चुप बैठेंगे। हम हर खतरे को अपनी तैयारी बढ़ाने, अपनी रोकथाम क्षमता मजबूत करने और अपनी ताकत को और विकसित करने का आधार मानते हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद की, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने फिलहाल ईरान पर नए हमले रोकने का फैसला किया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ ऐसी सैन्य शक्ति और क्षमता के साथ पूरी तरह तैयार था, जैसी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नहीं देखी गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान

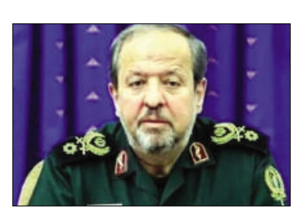

और कुछ अन्य मध्य-पूर्वी देशों के अनुरोध पर उन्होंने कार्रवाई रोक दी। ट्रंप के अनुसार, एक संभावित समझौते पर काम चल रहा है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह और स्थायी रूप से खोलना और ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करना शामिल होगा।

इससे पहले अमेरिकी मीडिया की कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि अमेरिका और इजरायल सप्ताहांत के दौरान ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले शुरू कर सकते हैं। इस्त्राइल के चैनल 12 न्यूज ने रविवार को रिपोर्ट दी कि ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कतर और अमेरिका की मध्यस्थता से तैयार एक समझौते को मंजूरी दे दी है। इस कथित समझौते के तहत जहाज ईरान के नियंत्रण वाले हिस्से से खाड़ी में प्रवेश करेंगे और ओमान के जलक्षेत्र से बाहर निकलेंगे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' न्यूज ने ईरानी वार्ता टीम के करीबी एक सूत्र के हवाले से इस दावे को तुरंत खारिज कर दिया।

पीयूष गोयल ने किया दावाः 'पीएम मोदी की लोकप्रियता से परेशान हैं राहुल गांधी'

एजेंसी, नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवाओं के बीच बढ़ती लोकप्रियता से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि

राहुल गांधी खुद को पहले 'युवा नेता' मानते थे। लेकिन अब युवाओं के बीच उनकी वैसी लोकप्रियता नहीं रही है।

पीयूष गोयल ने दावा किया कि भाजपा को युवा मतदाताओं का समर्थन लगातार मिल रहा है। उन्होंने कहा, जेनरेशन जेड (जेन-जी) हमेशा हमारे साथ रही है।

जेन-जी को लेकर क्या दावा किया?

मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से सांसद पीयूष गोयल ने कहा कि युवा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के विजन का लगातार समर्थन करते रहेंगे।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का 'सबसे लोकप्रिय नेता' भी बताया। गोयल ने कहा कि युवाओं के साथ उनका जुड़ाव और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी मौजूदगी देश के विकास को और तेज करने में मदद करेगी।

गोयल ने पत्रकारों से कहा, विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी की बढ़ती लोकप्रियता और युवाओं के साथ उनके जुड़ाव से परेशान हैं।

उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी खुद को युवा नेता मानते थे। यह साबित हो चुका है कि अब वह प्रधानमंत्री मोदी जितने लोकप्रिय नहीं हैं।

पेपर लीक मामले पर क्या कहा?

दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन और उसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर पूछे गए सवालों पर पीयूष गोयल ने पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार के कदमों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून बनाया गया है।

यूपीए सरकार पर क्या लगाया आरोप?

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2010-11 में परीक्षा पेपर लीक पर कानून बनाने की योजना बनाई थी, लेकिन उसे लागू करने का साहस नहीं दिखाया। गोयल ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार 2024 में ऐसा कानून लेकर आई और बाद में संशोधन के जरिए इसे और मजबूत किया गया। इसमें सख्त सजा और तेजी से सुनवाई के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाने का प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने संसद में इस कानून का विरोध किया था।

विपक्ष पर क्यों भड़के गोयल?

गोयल ने कहा, मैं उनकी निराशा और हताशा को समझ सकता हूं, क्योंकि मतदाता उन्हें बार-बार नकार रहे हैं। वे लगातार चुनाव हार रहे हैं। जब विधेयक पर चर्चा हो रही थी, तब उन्हें इसका समर्थन करना चाहिए था। मैं कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आप और अन्य दलों के इस विधेयक का विरोध करने की निंदा करता हूं।

लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को पिछले हफ्ते लोकसभा और राज्यसभा से मंजूरी मिल गई।

23 दिन की भूख हड़ताल, लाठीचार्ज और गिरफ्तारियांः फिर भी नहीं झुकीं नेहा

दमन ने आंदोलन को और मजबूत कियाः आइसा अध्यक्ष

एजेंसी, नई दिल्ली ।

23 दिन की भूख हड़ताल खत्म होने के कई दिन बाद भी ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष और जेएनयू की शोधार्थी नेहा बोरा का शरीर पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। इसके बावजूद उन्होंने आंदोलन के दौरान गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए छात्रों की रिहाई के लिए बिहार सहित कई राज्यों का दौरा किया। उनका कहना है कि पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग को लेकर चला यह आंदोलन वर्षों से जारी छात्र संघर्ष का स्वाभाविक विस्तार है।

क्या पुलिस कार्रवाई से आंदोलन कमजोर पड़ा?

नेहा बोरा का कहना है कि पुलिस कार्रवाई से आंदोलन कमजोर होने के बजाय और मजबूत हुआ। उनके अनुसार बड़ी संख्या में छात्र घायल होने के बावजूद जंतर-मंतर पहुंचते रहे। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों के शरीर पर लगे जख्म आने वाली पीढ़ियों के लिए इस संघर्ष की गवाही देंगे।

क्या यह वामपंथी छात्र राजनीति की वापसी है?

नेहा बोरा ने इस धारणा को खारिज किया कि यह वामपंथी छात्र संगठनों की वापसी है। उनका कहना है कि अक्रअ, रत्रक्र, अक्रत्रक्रसहित कई संगठन वर्षों से शिक्षा, परीक्षा, फीस वृद्धि, यूजीसी, सीएए और किसानों जैसे मुद्दों पर लगातार संघर्ष करते रहे हैं। उनके अनुसार पेपर लीक आंदोलन भी उसी लंबे संघर्ष की अगली कड़ी है।

आंदोलन में वामपंथी संगठनों की क्या भूमिका रही?

बोरा के मुताबिक, आंदोलन में वामपंथी छात्र संगठनों ने केवल भीड़ जुटाने का काम नहीं किया, बल्कि पोस्टर, नारे, पुस्तकालय, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राजनीतिक विमर्श के जरिए आंदोलन को दिशा दी। उनका दावा है कि युवाओं ने इन नारों और अभियानों को व्यापक समर्थन दिया और बड़ी संख्या में उनसे जुड़ते गए।

भूख हड़ताल के बाद कैसी है तबीयत?

नेहा बोरा ने बताया कि लंबे उपवास के कारण उनका पाचन तंत्र अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ है। डॉक्टरों की सलाह पर वह मसालेदार भोजन और लाल मांस से परहेज कर रही हैं। उनका कहना है कि शरीर धीरे-धीरे सामान्य भोजन स्वीकार कर रहा है, लेकिन आंदोलन की जिम्मेदारियों के कारण उन्होंने आराम करने के बजाय छात्रों के बीच रहने को प्राथमिकता दी।

गिरफ्तार छात्रों के लिए बिहार क्यों पहुंचीं?

भूख हड़ताल समाप्त होने के तुरंत बाद वह बिहार पहुंचीं, जहां प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार छात्रों और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने दावा किया कि 600 से अधिक छात्रों को हिरासत में लिया गया था और कई पर गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। उनका कहना है कि यदि छात्र संगठनों ने लगातार दबाव नहीं बनाया होता तो कई छात्रों की रिहाई संभव नहीं हो पाती।

20 जुलाई के प्रदर्शन में आखिर क्या हुआ था?

नेहा बोरा ने बताया कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह मार्च में शामिल नहीं हो सकीं और मेडिकल टीम के साथ जंतर-मंतर पर ही रहीं। उनके अनुसार कुछ ही देर बाद आंसू गैस के गोले छोड़े गए और घायल छात्र लौटने लगे। उन्होंने दावा किया कि कई छात्रों के हाथ-पैर टूटे, गर्दन और सीने पर गंभीर चोटें आईं, जबकि कुछ लोगों को पेलेट लगने से आंखों की रोशनी तक प्रभावित हुई। उनका आरोप है कि बैरिकेडिंग और पुलिस कार्रवाई के कारण भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हुई, जिसमें बुजुर्ग और बच्चे भी फंस गए।

रूस के ऑयल रिफाइनरी और एयरबेस पर हमला

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के सैन्य और ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर लंबी दूरी से सटीक हमले किए हैं। उनके अनुसार, इन हमलों में सारातोव ऑयल रिफाइनरी और एंगेल्स सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया। जेलेंस्की ने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करना है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यूक्रेनी बलों ने रूस के भीतर गहराई में स्थित कई महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया। उन्होंने कहा, 'बीती रात रूस के सारातोव में, जो अग्रिम मोर्चे से 600 किलोमीटर से अधिक दूर है, दो रणनीतिक ठिकानों सारातोव ऑयल रिफाइनरी और एंगेल्स सैन्य एयरबेस पर सफलतापूर्वक हमला किया गया।'

इंडोनेशिया में बड़ा समुद्री हादसाः

यात्रियों से भरी नाव में लगी भीषण आग, पांच लोगों की मौत, 41 अब भी लापता

एजेंसी, जकार्ता।

इंडोनेशिया के मदुरा द्वीप के पास रविवार को एक यात्री फेरी (नौका) में भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के अनुसार, इस दुर्घटना में अब तक कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 41 लोग अभी भी लापता हैं। राहत और बचाव दल युद्धस्तर पर तलाश अभियान चला रहे हैं।

खोज एवं बचाव एजेंसी के मुताबिक, फेरी में कुल 271 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 225 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान लगातार जारी है। यह फेरी पूर्वी जावा प्रांत के सुराबाया शहर से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर के लिए रवाना हुई थी। हादसा यात्रा के दौरान मदुरा द्वीप के निकट समुद्री क्षेत्र में हुआ।

आग कैसे लगी?

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना रविवार सुबह हुई, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि फेरी में आग किस वजह से लगी। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

बचाव अभियान की क्या स्थिति है?

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी ने बताया कि समुद्र में लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। बचाव दल समुद्री क्षेत्र में व्यापक स्तर पर अभियान चला रहे हैं ताकि सभी लापता लोगों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने में मददगार है अरोमाथेरेपी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिजिकल हेल्थ खराब होने के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी काफी असर पड़ रहा है। हर दूसरा बंदा काम के बोझ के तले इतना दब गया है कि उसे अपने लिए टाइम ही नहीं है। तनाव के कारण एंग्जाइटी और डिप्रेशन जैसी दिक्कत होने लगी है। लोगों की नींद प्रभावित हो रही है, फोकस करने में परेशानी आती है। अगर आप भी इस तरह की परेशानी होती है तो आप मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए अरोमाथेरेपी का सहारा ले सकते हैं।

क्या होती है अरोमाथेरेपी

अरोमाथेरेपी जैसा की इसके नाम से मालूम चल रहा है अरोमा मतलब खुशबू और थेरेपी मतलब इलाज,खुशबू की मदद से इलाज करने को ही हम अरोमाथेरेपी कहते हैं । यह मानसिक तनाव का इलाज करने का सबसे कारगर तरीका है। एसेंशियल ऑयल्स इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,यह तेल पौधों,जड़ी बूटियों फूलों,पंखुड़ियों जैसी चीजों से निकाले जाते हैं।

मेंटल हेल्थ को कैसे बूस्ट करता है अरोमाथेरेपी

एक्सपर्ट के मुताबिक लैवेंडर कैमोमाइल जैसे एसेंशियल ऑयल्स में शांत करने वाले गुण होते हैं जो तनाव और चिंता को कम करने में मदद करते हैं,इससे बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है और जब आप सुकून भरी नींद सोते हैं तो इससे मस्तिष्क के सेल्स रिपेयर होते हैं । एसेंशियल ऑयल्स की खुशबू लेने से कोर्टिसोल का स्तर कम हो सकता है,जो तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन होता है,जब आपका कोर्टिसोल हार्मोनकम होता है तो आपको सुकून भरी नींद आती है इससे मेंटल हेल्थ बूस्ट होता है। एसेंशियल ऑयल्स मूड पर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं,अवसाद की भावनाओं को कम कर देवदार की लकड़ी और चंदन जैसी सुगंध गहरी, अधिक आरामदायक नींद चक्र को बढ़ावा देकर नींद की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है। क्लैरी सेज जैसे एसेंशियल ऑयल नींद को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं जिससे नींद का पैटर्न सही हो जाता है। अच्छी खुशबू वाला कमरा एक शांत और आरामदायक वातावरण बनाता है जिससे आराम करना और नींद आना आसान हो जाता है।

काफी गंभीर हो सकते हैं किडनी में बीमारी के ये लक्षण

स्किन और नाखूनों से ये दिखाई देता है कि हमारी किडनी में किस तरह की बीमारी होने जा रही है। आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि किडनी के लक्षण काफी गंभीर हो सकते हैं।

हमारा शरीर आने वाले हर खतरे का संकेत पहले से ही देने लगता है। शरीर में अगर कोई बड़ी समस्या होने वाली है तो उससे पहले छोटी-छोटी चीज़ों से हमें कुछ न कुछ संकेत मिलते रहते हैं। शरीर का कोई भी बड़ा ऑर्गेन खराब हो रहा हो तो कई बार हमें स्किन और बालों के जरिए भी उसके संकेत मिलने लगते हैं। ऐसा ही किडनी की बीमारी के साथ भी होता है। किडनी की बीमारी होने से पहले स्किन पर कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। यहां सिर्फ बालों का झड़ना या फिर हेयर लाइन शुरू होते ही फ्लेकी स्किन नहीं बल्कि नाखूनों, पैरों, हाथों आदि पर भी असर दिखता है और आपको ये ध्यान रखना चाहिए कि अगर ऐसे कोई लक्षण दिख रहे हैं तो आपको एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए। पर आखिर कौन से संकेत हैं जो साफ दिखाई देते हैं।

किडनी की बीमारी के समय शरीर में होती है ये समस्या

स्किन, बाल और नाखून हमारी सेहत को लेकर बहुत ही जरूरी संकेत देते हैं। कोई भी छुपी हुई बीमारी जैसे मालन्यूट्रीशन, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का ओवरडोज, दवाओं का असर या बीमारी आदि के संकेत इन दोनों से मिल जाते हैं। जिन लोगों को किडनी की बीमारी या किडनी फेलियर का रिस्क होता है उन्हें जिंक, कैल्शियम, आयरन, विटामिन क्रजैसे मिनरल्स दिए जाते हैं। जिन मरीज़ों को डायलेसिस की जररूत होती है उन्हें इन मिनरल्स की कमी के लिए रीनल विटामिन्स दिए जाते हैं जिनमें विटामिन क्रकॉम्प्लेक्स के हाई लेवल होते हैं। कैल्शियम और आयरन को बल्ड लेवल में मॉनिटर किया जाता है और अगर ये लेवल कम होते हैं तो सप्लिमेंट्स उसी हिसाब से दिए जाते हैं।

किडनी की बीमारी के कारण स्किन पर दिखते हैं ये असर

किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स काफी बढ़ जाते हैं और इसके कारण स्किन में नाइट्रोजन भी बढ़ जाता है। स्किन बहुत ड्राई, खुजली वाली हो जाती है। इसी के साथ, स्किन में क्रैक्स, स्केल्स आदि बनने लगते हैं। स्किन काफी पतली हो जाती है और बहुत आसानी से स्ट्रेच मार्क्स भी आ जाते हैं जो कच्चे होते हैं और खुजली वाले भी होते हैं। इनमें आसानी से ब्लीडिंग होने लगती है। स्किन ज्यादा सफेद दिखने लगती है और इसका रंग भी ग्रे, ब्लू, पर्पल या येलो शेड का हो जाता है। सिस्ट्स और स्पॉट्स भी दिख सकते हैं।

हाथ और पैरों में आ जाती है बहुत ज्यादा सूजन

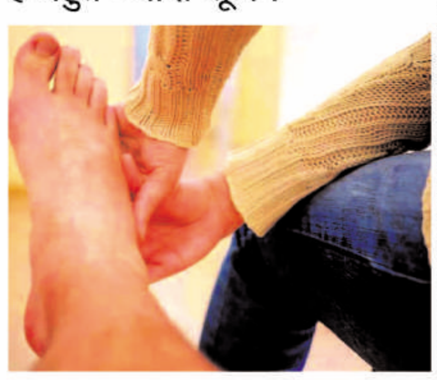

हाथों और पैरों में सूजन, चेहरे में सूजन, ऐड़ियों में सूजन आना बहुत ही आम लक्षण है जिसे लेकर आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। शरीर से टॉक्सिन्स ठीक तरह से बाहर न निकल पाने के कारण ये होता है और आपको इस बात का ध्यान भी रखना चाहिए कि ऐसा लक्षण गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है इसलिए डॉक्टर से सलाह लें।

किडनी की बीमारी के कारण नाखूनों पर दिखते हैं ये असर

नाखूनों पर भी किडनी की बीमारी का असर साफ दिखाई देता है। सफेद बैंड्स या स्पॉट्स नाखूनों पर बनने लगते हैं और ये कमजोर, कच्चे और फ्लेकी हो जाते हैं। अक्सर ऐसे नाखूनों के बीच में लाइन बनने लगती है। हमारे नाखून कई और बीमारियों के संकेत भी देते हैं और ऐसे में हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि हम ऐसे कोई भी लक्षण के दिखने पर डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

स्किन पर दाने और रैशेज

जैसा कि हम पहले बता चुके हैं कि किडनी की बीमारी के कारण शरीर में टॉक्सिन बहुत ज्यादा इकट्ठा हो जाता है और ये रैशेज, बंप्स, ब्लीडिंग वाली स्ट्रेचमार्क्स आदि का कारण बनता है ऐसे में आप शरीर में कई तरह के मिनरल्स आदि का टेस्ट करवा सकते हैं। ये सारे लक्षण किसी अन्य वजह से भी हो सकते हैं, लेकिन ऐसा भी हो सकता है कि ये सिर्फ और सिर्फ किडनी के कारण हों। आपको ये ध्यान रखना होगा कि अगर आपको कोई समस्या हो रही है तो एक्सपर्ट की सलाह लेना ही किसी गंभीर रोग से मुक्ति का अच्छा कारण हो सकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न दिखाएं और डॉक्टर से सलाह लेते रहें।

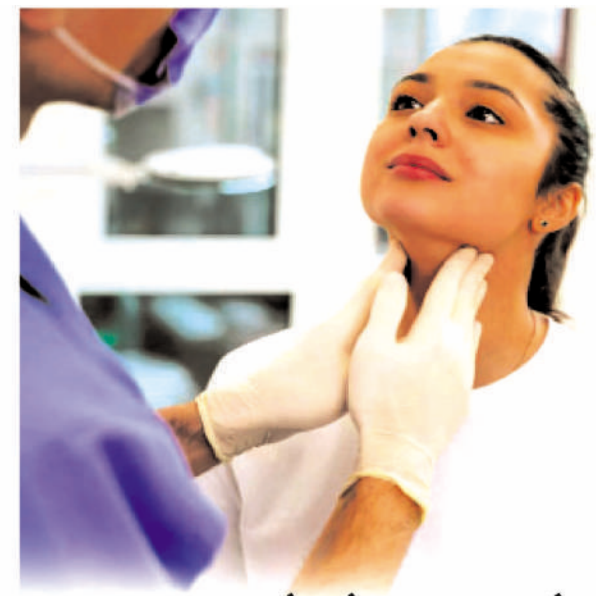

थायराइड कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

आजकल थायराइड की बीमारी काफी आम हो चुकी है। थायराइड रोग वह स्थिति है जिसमें थायराइड ग्लैंड शरीर की जरूरत से कम या अधिक हार्मोन का निर्माण करने लगता है जिसके कारण कई सारी समस्याएं पैदा होती है। थायराइड के कारण जहां मोटापा हेयर फॉल , जोड़ों में दर्द जैसी समस्या होती है वहीं यह दिल की सेहत को भी बुरी तरह से प्रभावित करता है। इसको लेकर हमने एक्सपर्ट से बात की है। आइए जानते हैं थायराइड कैसे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है।

कैसे करता है हार्ट हेल्थ को प्रभावित

एक्सपर्ट बताती हैं की दोनों ही थायराइड हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है। हाइपोथायरायडिज्म की बात करें तो इसमें थायराइड हार्मोन का लेवल शरीर में कम हो जाता है,इससे थायराइड ग्लैंड का फंक्शन कम होने लगता है,इससे मेटाबॉलिज्म खराब हो जाता है,इससे दिल को नुकसान हो सकता है जैसे इससे हार्ट रेट स्लो हो जाता है,इससे आपको ब्रेडीकार्डिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ सकता है,इसके कारण हृदय का फैलाव हो सकता है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।थायराइड बढ़ने से हार्ट की धमनियां संकरी होने लगती है,इससे ब्लड का सर्कुलेशन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है,लंबे समय तक यह स्थिति बनी रहने पर हार्ट अटैक आने का खतरा बना रहता है। हाइपरथायरायडिज्म में आपका थायराइड ग्लैंड ओवर एक्टिव हो जाता है इससे हाइपर मेटाबॉलिज्म होता है जिससे हार्ट रेट बढ़ सकता है,इससे ट्रैकी कार्डिया की स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्थिति में भी हार्ट का फैलाव हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और इस तरह से हार्ट को नुकसान पहुंचता है।

गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करती है हर वक्त कच्चा बर्फ खाने की इच्छा

क्या आपको भी हर वक्त कच्चा बर्फ चबाने का दिल करता है। अगर हां तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर डिसऑर्डर की तरफ इशारा करता है।

गर्मियों के मौसम में हर किसी को कुछ ना कुछ ठंडा खाने का मन करता है। ठंडा पानी तो हर कोई पीता है, लेकिन आइसक्रीम मिल जाए तो सोने पर सुहागा हो जाता है। गर्मी से राहत पाने के लिए कुछ लोग तो घर में रखे आइस क्यूब भी खाते हैं। लेकिन अगर आप बार-बार कच्ची बर्फ चबाते हैं तो इसे इग्नोर ना करें। दरअसल आपकी यह आदत किसी बीमारी की तरफ इशारा करती है। आइए जानते हैं बार-बार बर्फ खाने का मन क्यों करता है।

क्या आपको भी बार-बार बर्फ खाने का मन करता है आपको भी बार-बार बर्फ खाने की क्रेविंग होती है तो शायद आप पिका डिसऑर्डर से पीड़ित हैं। वैसे तो यह बच्चों या गर्भवती महिलाओं में होता है, लेकिन अगर आप में आयरन की कमी हो तो भी आपको इसकी क्रेविंग हो सकती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एनीमिया से पीड़ित लोगों में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है ऐसे में लोगों को बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है। वहीं जो लोग मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं उन्हें भी बर्फ खाने की क्रेविंग होती है। अगर यह क्रेविंग लंबे समय तक बनी हुई है तो आपको तुरंत डॉक्टर से मिलकर इसका इलाज करवाना चाहिए।

क्या हैं इसके नुकसान

- दांतों में दर्द, बर्फ आपके दांत की इनेमल की परत को डैमेज कर सकती है।
- एनीमिया की गंभीर समस्या,इसके कारण हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंचता है।
- पेट में इंफेक्शन और कब्ज की समस्या

छींक क्यों नहीं रोकनी चाहिए

छींक आना नॉर्मल है। लेकिन, अगर आपको बहुत अधिक छींक आती है, तो इसे नजरअंदाज करें। इसके अलावा, अगर आप छींक आते वक्त इसे रोकती हैं, तो इससे भी सेहत को नुकसान हो सकता है।

हमारा शरीर सेहतमंद रहने के लिए कई नेचुरल प्रोसेस को फॉलो करता है। पेट साफ होना, गैस बाहर निकलना, डकार आना और छींक आना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जिनका हमारी सेहत से गहरा कनेक्शन है। कई बार, नाक के अंदर डस्ट और पाउडर जैसे पार्टिकल्स चले जाते हैं। इन्हें बाहर निकालने के लिए, छींक आती है। वहीं, सर्दी-जुकाम होने पर भी छींक आती है। हालांकि, अगर आपको अक्सर बहुत अधिक छींक आती हैं, तो इसके पीछे कुछ हेल्थ कंडीशन्स हो सकती हैं। आमतौर पर छींक आना काफी नॉर्मल होता है। कई लोग, छींक आने पर इसे रोक लेते हैं। लेकिन, सेहत के लिहाज से ऐसा करना गलत है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर आप छींक रोकती हैं, तो इससे स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इस बारे में डॉक्टर नीतिका कोहली जानकारी दे रही हैं। वह आयुर्वेद में एमडी हैं। उन्हें इस फील्ड मे लगभग 17 सालों का अनुभव है।

छींक रोकने से सेहत को हो सकता है नुकसान

- दरअसल, हमारी नाक में एक म्यूकस नाम की झिल्ली होती है। इसके टिश्यू या सेल्स पर जब कोई डस्ट पार्टिकल आकर चिपकता है, तो इसे बाहर निकालने के लिए छींक आती है।
- आयुर्वेद में छींक को क्षतु कहा जाता है। इसे अधारणीय वेग कहा जाता है। इसकी गिनती उन वेगों में होती हैं, जिन्हें रोका नहीं जा सकता है और रोकना भी नहीं चाहिए।
- छींक के जरिए, बैक्टीरिया और वायरस नाक से बाहर निकल जाते हैं। इसलिए, यह फायदेमंद होती है।
- छींक रोकना सेहत के लिहाज से सही नहीं है। इससे गर्दन अकड़ सकती है और साइनस की दिक्कत भी हो सकती है।
- अगर आप छींक आने पर इसे रोकने की कोशिश करते हैं, तो इससे फेस की नर्व्स और मसल्स कमजोर हो सकती हैं।
- यह शरीर की सफाई का एक नेचुरल प्रोसेस है। इसलिए, इसे होल्ड नहीं करना चाहिए।
- एक्सपर्ट के मुताबिक, कई बार सोशल एटिकेट्स या अन्य कई वजहों से लोग छींक को रोक लेते हैं। लेकिन, छींक रोकने से फेफड़ों पर दबाव पड़ता है। इससे श्वसन तंत्र पर बुरा असर हो सकता है।
- छींक के जरिए, बाहर निकलने वाली हवा का प्रेशर काफी तेज होता है। इसे रोकने से, आंख, नाक और कान के ब्लड वेसल्स पर असर पड़ सकता है।
- छींक आने पर उसे रोकने की कोशिश न करें। एक्सपर्ट की सलाह पर जरूर ध्यान दें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

भारत को झटका, श्रीलंका दौरे से पहले बुमराह टेस्ट सीरीज से बाहर

बीसीसीआई बोला- वह अभी पूरी तरह फिट नहीं, 'इम्पैक्ट इंजरी' से कर रहे हैं रिकवरी

एजेंसी, मुंबई।

भारत को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगता दिख रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और इसी वजह से उनका इस दौरे का हिस्सा नहीं होना तय है। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बुमराह अभी भी 'इम्पैक्ट इंजरी' से रिकवरी कर रहे हैं और मेडिकल टीम उन्हें जल्दबाजी में मैदान पर उतारने के पक्ष में नहीं है।

हालांकि, ये चौंकाने वाली खबर है क्योंकि, दो दिन पहले यानी 31 जुलाई को न्यूज एजेंसी पीटीआई ने रिपोर्ट दी थी कि बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और वह श्रीलंका में खेलने के लिए तैयार हैं। अब इस रिपोर्ट ने भारतीय फैंस को काफी निराश किया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को हर हाल में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतनी जरूरी है।

बीसीसीआई ने नहीं लिया कोई जोखिम

सूत्रों के मुताबिक, बुमराह के घुटने की सूजन शुरूआती अनुमान से अधिक गंभीर है।

वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। हालांकि उम्मीद थी कि वह दो सप्ताह के भीतर फिट होकर वापसी कर लेंगे, लेकिन अभी भी उन्हें घुटने में असहजता महसूस हो रही है।

बीसीसीआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम बुमराह की वापसी को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती। आगामी महीनों में भारतीय टीम का व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है, ऐसे में मेडिकल टीम किसी भी तरह का जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है। अगर बुमराह पहले टेस्ट से पहले फिट भी हो जाते हैं, तब भी उन्हें टेस्ट क्रिकेट में उतारने पर अंतिम फैसला उनकी कार्यक्षमता और फिटनेस को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

भारत की गेंदबाजी पर पड़ेगा असर

श्रीलंका के सपाट विकेटों पर लंबे स्पेल फेंकने पड़ सकते हैं, जिससे बुमराह के कार्यभार में काफी बढ़ोतरी होगी। इसी कारण मेडिकल टीम फिलहाल उन्हें आराम देने के पक्ष में दिखाई दे रही है। बुमराह की गैरमौजूदगी भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। नई गेंद से विकेट लेने और लंबे स्पैल में विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की उनकी क्षमता टीम के लिए बेहद अहम रहती है। श्रीलंका की परिस्थितियों में भी उनका अनुभव भारत के काफी काम आ सकता था। अब चयनकताओं और टीम प्रबंधन को उनकी जगह किसी दूसरे तेज गेंदबाज पर भरोसा करना होगा। इससे युवा गेंदबाजों के लिए खुद को साबित करने का मौका भी मिलेगा।

कौन ले सकता है बुमराह की जगह?

अगर बुमराह उपलब्ध नहीं होते हैं तो चयनकर्ता जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी या विदर्भ के यश ठाकुर में से किसी एक को टीम में शामिल कर सकते हैं। दोनों घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन कर चुके हैं।

चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया

भारतीय टीम पहले ही चोटों से परेशान है। नीतीश कुमार रेड्डी (हैमस्ट्रिंग), हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग) और वॉशिंगटन सुंदर (हैमस्ट्रिंग) कम से कम पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे। ऐसे में बुमराह की गैरमौजूदगी भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है।

स्थानीय टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा ने उड़ाया गर्दा, जड़ा दोहरा शतक

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अमृतसर के गांधी ग्राउंड में खेले गए पंजाब इंटर-जिला पुरुष सीनियर वनडे टूर्नामेंट के एक मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। अभिषेक ने 91 गेंदों पर 233 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके इस दोहरे शतक की बदौलत अमृतसर ने तरनतारन के खिलाफ 220 रनों से एक बड़ी जीत दर्ज की।

अभिषेक ने की रिकॉर्ड साझेदारी

बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक ने अपनी इस पारी के दौरान मैदान के चारों तरफ शॉट लगाए और 15 चौके और 25 गगनचुंबी छक्के जड़े। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 256.04 का रहा। अभिषेक ने अभय चौधरी (93 रन, 85 गेंद) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 305 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अमृतसर की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 533 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। इसमें अभिनव शर्मा (51),

साहिल शर्मा (37) और सुमित शर्मा (23*) का भी अहम योगदान रहा।

गेंदबाजी में भी दिखाया कमाल

534 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी तरनतारन की टीम 50 ओवरों में आठ विकेट पर 313 रन ही बना सकी। तरनतारन की ओर से अर्शदीप सिंह ने संघर्ष करते हुए 108 और मनप्रीत सिंह संधू ने 62 रन बनाए। बल्ले से तबाही मचाने के बाद अभिषेक शर्मा ने अपनी बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से भी कमाल दिखाया और नौ ओवरों में 71 रन देकर दो महत्वपूर्ण विकेट झटके। उन्होंने खतरनाक दिख रहे शतकवीर अर्शदीप सिंह (108) और करणवीर सिंह ढिल्लों (26) को अपना शिकार बनाया। अमृतसर के लिए प्रथमपाल सिंह वालिया ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए।

फॉर्म में वापसी

हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे के दौरान टी20 में खराब फॉर्म के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहे अभिषेक शर्मा की यह पारी उनके लिए संजीवनी का काम करेगी। भारत के लिए अब तक 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके अभिषेक के नाम 1629 रन दर्ज हैं, जिसमें दो शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। इस ऐतिहासिक पारी से उनका आत्मविश्वास निश्चित रूप से सातवें आसमान पर होगा। हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे पर वे तीन पारियों में केवल 11 रन ही बना सके थे जहां उनका औसत महज 3.66 का रहा। इतना ही नहीं इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों में उन्होंने 26.2 की औसत से 131 रन बनाए थे जबकि आयरलैंड के खिलाफ 2 मुकाबलों में वे सिर्फ 49 रन ही जोड़ सके थे। अपनी पिछली 10 अंतरराष्ट्रीय टी20 पारियों में उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है जिसके कारण आईसीसी टी20 रैंकिंग में टॉप पर रहने वाले अभिषेक खिसककर तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

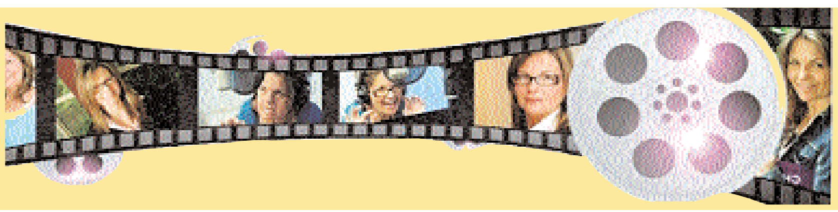

मनोरंजन

11 साल पहले लीक हुई मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा को याद कर भावुक हुईं मानुषी छिल्लर

हाल ही में नेट पेपर लीक मामले पर देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया था। आम स्टूडेंट्स के साथ कुछ सेलेब्स भी इसमें शामिल हुए थे। वहीं कुछ ने सोशल मीडिया के जरिए इसका समर्थन किया था। अब अभिनेत्री और कभी डॉक्टर रहीं मानुषी छिल्लर ने 2015 का वो भावनात्मक किस्सा साझा किया है जब पेपर लीक होने के बाद उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

एक्ट्रेस ने 2015 में दी थी परीक्षा

मानुषी हाल ही में मनोचिकित्सक डॉ. अंजली छाबड़िया के साथ सोहा अली खान के पॉडकास्ट पर पहुंचीं। जहां सोहा ने 2015 में लीक हुए मेडिकल परीक्षा की बात छेड़ी तब एक्ट्रेस ने बताया कि इतनी मेहनत करने के बाद उन्हें कैसी मुसीबतों का सामना करना पड़ा।

मनुषी ने कहा, 'इस बात के दो पहलू हैं। एक मेरा व्यक्तिगत, दूसरा अधिकांश छात्रों का। मेरे माता- पिता इस चीज से गुजर चुके थे इसीलिए मैं मानसिक रूप से इसके लिए तैयार थी। मुझे इसके लिए अपनी हॉबी और कई चीजें छोड़नी पड़ीं क्योंकि इस एग्जाम के लिए मुझे पूरी तरह अपना ध्यान केंद्रित करना था।'

'कईयों ने हैसियत से ज्यादा कर्ज ले रखा था'

अपने अनुभव साझा करते हुए मानुषी ने कहा, उस वक्त मेरे लिए यह काफी मुश्किल था। मगर फिर भी मुझे एहसास था कि बाकी छात्रों की स्थिति के मुकाबले मैं बेहतर ही थी। मैं ऐसे छात्रों से मिली जिनके माता-पिता ने उन्हें कोचिंग सेंटर भेजने के लिए अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज लिया था।

कई छात्र पढ़ाई के लिए अपना शहर बदल चुके थे, तंग पीजी कमरों में रहते थे और हर दिन एक ही परीक्षा की तैयारी में बिताते थे।

'मेरे माता-पिता ने काफी दिया साथ'

एम.बी.बी.एस की प्रारंभिक परिक्षा के बारे में बात करते हुए मनुषी छिल्लर ने कहा, ह्य जब आपको बताया जाता है कि महीनों की तैयारी के बाद आपको अगले 45 दिनों तक और तैयारी करनी होगी, तो आप सोचने लगते हैं कि आपमें अब कितनी ताकत बची है। मगर मेरे पैरेंट्स काफी सपोर्टिव रहे हैं। मैंने बास्केटबॉल और जिम के जरिए अपना एग्जाम स्ट्रेस कम किया था।

मानुषी छिल्लर का वर्कफ्रंट

मानुषी छिल्लर ने 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। विश्व सुंदरी होने के साथ उनके पास एमबीबीएस की डिग्री भी है। उन्होंने अपना एमबीबीएस सोनीपत के भगत फूल सिंह मेडिकल कॉलेज से पूरा किया है। चिकित्सा को अपना पेशा न बनाते हुए मानुषी ने फिल्मी दुनिया में कदम रखने का फैसला किया। 2022 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म ह्यसम्राट पृथ्वीराजह्न से उन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

इसके बाद वह 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहीं।

टाइगर और रेमो की अगली एक्शन एंटरटेनर में हुई पशमीना की एंट्री

टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पशमीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पशमीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी।

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रेमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी। फिलहाल निमार्ताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है।

यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की 2016 में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद दूसरी फिल्म है। बताया जा रहा है कि यह एक नई एक्शन फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म होगी। इसमें अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म भारतीय निमार्ता और उद्यमी विक्की जैन के प्रोडक्शन हाउस वीजे फ्रेम्स के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म भी है। दमदार स्टारकास्ट और रेमो डिसूजा के निर्देशन के साथ इसे बड़े स्तर की एक्शन एंटरटेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है।

इश्क विश्क रिबाउंड' के बाद नया सफर

पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरूआत 2024 में रिलीज हुई निपुण धर्माधिकारी निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था।

फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलगांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे।

अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।

जन्मजात विकृतियों के सर्जन, सामाजिक 'विकृतियों' के सचेतक

तीन दशक से पीडियाट्रिक सर्जरी में नाम कमा रहे हैं डा. संजय कुलश्रेष्ठ

सड़क दुर्घटनाओं के खतरनाक परिणाम पर लिख चुके हैं पुस्तक

आदर्श डॉक्टर

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आज से 30-32 साल पहले जब नवजात के अंगों में विकृति को लोग शिशु की किस्मत समझकर भूल जाते थे, तब इन विकृतियों की सर्जरी करने की शिक्षा लेने वाले डा. संजय कुलश्रेष्ठ आगरा में तो इकलौते विशेषज्ञ डाक्टर थे। तीन दशक से ज्यादा के चिकित्सकीय सफर में उन्होंने पीडियाट्रिक सर्जरी में कई उल्लेखनीय आयाम स्थापित तो किए ही हैं, वे सामाजिक विकृतियों के प्रति भी सचेत रहते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के खतरनाक परिणाम के प्रति आगाह करने को उन्होंने न केवल एक पुस्तक लिखी बल्कि, निरंतर समाज में जागरूकता लाने में सक्रिय रहते हैं।

पीडियाट्रिक सर्जरी कैसे और क्यों चुनीं

डा. संजय कुलश्रेष्ठ बताते हैं कि ये 90 के दशक की बात है। तब शिशुओं में जन्मजात विकृति जैसे कटे होंठ के मामले बहुत देखने को मिलते थे। दिल में छेद के भी केस आने लगे थे। एसएन मेडिकल कालेज में प्रवेश लेते समय ही सोच लिया था कि पीडियाट्रिक सर्जरी करनी है। शिक्षा पूरी होने के बाद कालेज में ही जॉब का प्रयास किया, तब एसएन में पीडियाट्रिक सर्जन की पोस्ट नहीं हुआ करती थी। पोस्ट सृजित कराना इतना आसान भी नहीं था, सो प्रैक्टिस करने का निश्चय किया। अब अपने रास्ते पर चल पड़ा।

शिशुओं में विकृतियों की अब स्थिति कैसी है

डा. कुलश्रेष्ठ कहते हैं कि अब जागरूकता आई तो कुछ कारणों से शिशुओं को नई शारीरिक दिक्कतें भी होने लगी हैं। गर्भावस्था के दौरान अत्यधिक जांचें, दवाओं का सेवन भी नवजात के लिए परेशानियां बन रहा है। गुर्दा में परेशानी के मामले आने लगे हैं। लेकिन दूसरा पहलु ये है कि जागरूक दंपती और प्रशिक्षित चिकित्सक के सहयोग और समन्वय से शिशुओं की जन्मजात बीमारियों, विकृतियों में कमी भी आई है।

गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच का भी लाभ मिल रहा है। अब तो अच्छे सेंटरों पर गर्भवती को नियमित व्यायाम आदि भी कराया जाता है जिससे डिलीवरी सुरक्षित होती है। शिशु भी शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है।

जन्मजात विकृति की सर्जरी कब करानी चाहिए

डा. कुलश्रेष्ठ बताते हैं कि शिशु के अंग बहुत छोटे और नाजुक होते हैं। उनके शरीर की जरूरतें और दवाइयां वयस्कों से अलग होती हैं। इसलिए ये सर्जरी बहुत जटिल होती है।ये सर्जरी विकृति की स्थिति पर निर्भर करती है। कुछ विकृति दवा से सही हो जाती है तो कुछ का उपाय केवल सर्जरी ही होता है। कुछ विकृति ऐसी भी होती हैं जिनकी सर्जरी ही संभव नहीं है। शिशु की सर्जरी कराने में दंपती की सूझबूझ बहुत महत्वपूर्ण होती है।

'सुनामी ऑन रोड्स' पुस्तक क्यों और कैसे लिखी

डा. कुलश्रेष्ठ ने बताया कि उनके एक करीबी रिश्तेदार का चेन्नई में कार एक्सीडेंट हो गया था। दंपती की मृत्यु हो गई। सड़क दुर्घटनाएं पहले भी होती थीं, लेकिन इस हादसे ने तो उन्हें झकझोर दिया। इसके बाद ही सड़क हादसे रोकने के लिए एक पुस्तक लिखने का संकल्प लिया। चिकित्सकीय कार्य के बीच में जब भी समय मिलता, कुछ लिख लेते। इसमें हादसे के कारण, जिम्मेदार और निवारण के अलग-अलग पहलू शामिल करते रहे। बाद में इन्हीं लेखों ने एक पुस्तक 'सुनामी ऑन रोड्स वेक अप इंडिया' का रूप ले लिया।

पुस्तक लिखने के बाद अब क्या

डा. कुलश्रेष्ठ कहते हैं कि वे समय-समय पर गोष्ठियां करते हैं। हाल में ही एसएन मेडिकल कालेज में एक जागरूकता कार्यक्रम किया। खासतौर पर चिकित्सा छात्रों के लिए। क्योंकि युवा पीढ़ी न केवल अपने परिवार की उम्मीद होती है बल्कि देश के कर्णधार भी हैं। युवा पीढ़ी अगर सतर्क हो जाए, तो सड़क हादसों को काफी हद तक बचाया जा सकता है।

शिक्षण संस्थानों में भी पहुंचे ये जागरूकता

डा. कुलश्रेष्ठ ने कहा कि उनकी इच्छा है कि ये पुस्तक शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाई जाए। छात्रों को सड़क हादसों के बारे में जागरूक और आगाह किया जाए। नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम किए जाएं। इसके लिए वे विभिन्न संस्थाओं से संपर्क कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन से भी सहयोग की अपेक्षा है।